हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 253 बेमेतरा, शुक्रवार 08 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

ओडिशा में ससुराल के घर के सामने धरने पर बैठी महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

गंजम। ओडिशा के गंजाम जिले में एक गर्भवती महिला की कथित तौर पर निर्मम हत्या कर दी गई. वारदात को अंजाम उस समय दिया गया महिला जब महिला अपनी बेटी के हक की मांग को लेकर ससुराल में घर के सामने धरने पर बैठी थी. इस घटना ने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया. पुलिस ने बताया कि मृतक और आरोपी की पहचान हो गई है. आरोपी शख्स महिला का देवर है. उसे हिरासत में लिया गया. वारदात के समय महिला का पति घर पर नहीं था. उस समय महिला अपनी 2 साल की बेटी के साथ ससुराल के घर के सामने धरने पर बैठी थी. बताया जाता है कि महिला का पति कुछ समय पहले उसे छोड़कर चला गया था. महिला अपनी बेटी के हक की मांग करते हुए अपने ससुराल घर के सामने धरना दे रही थी. पुलिस के अनुसार वह प्रेग्नेंट भी थी. पुलिस के अनुसार मर्डर केस दर्ज कर लिया है

कश्मीर घूमने आए अमेरिकी नागरिक की श्रीनगर में मौत

श्रीनगर। कश्मीर घूमने आए एक 83 साल के अमेरिकी नागरिक की आज अचानक मौत हो गई. खबर के मुताबिक, वह सुबह श्रीनगर में डल झील के हाउसबोट में बेहोश होकर अचानक गिर पड़े और उनकी मौत हो गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों ने मृतक की पहचान एंडरसन जॉन डेविड के तौर पर की है. वह अमेरिका के वाशिंगटन डीसी के रहने वाले जॉन डेविड के बेटे थे. श्रीनगर में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वाले के बीमार पड़ने पर हाउसबोट मालिकों और दूसरे लोगों ने उन्हें पास के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी पत्नी और एक और जान-पहचान वाले भी थे. अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें आते ही मृत घोषित कर दिया. उन्होंने बताया कि शव को एसएमएचएस अस्पताल और बाद में आगे की कानूनी और मेडिकल प्रक्रिया के लिए शहर के पुलिस कंट्रोल रूम में शिफ्ट कर दिया गया.

शशि शेखर वेम्पति सीबीएफसी के नए अध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया विशेषज्ञ शशि शेखर वेम्पति को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब भारतीय फिल्म का दायरा तेजी से आगे बढ़ रहा है। क्षेत्रीय सिनेमा, ओटीटी और वैश्विक सहयोग में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ऐसे में सेंसर बोर्ड की भूमिका और जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ गई है। शशि शेखर भारत के प्रमुख मीडिया और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ हैं। उन्होंने प्रसार भारती के सीईओ पद पर अपने 5 साल का कार्यकाल पूरा किया है। उनकी अगुवाई में ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन को आधुनिक बनाने पर जोर दिया गया। इससे पहले वह इंफोसिस और डिजिटल न्यूज स्टार्टअप नीति डिजिटल से जुड़े थे। सार्वजनिक प्रसारण और डिजिटल नीति में उनके इसी योगदान को देखते हुए जनवरी, 2026 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

मेरे पीए की हत्या इसलिए हुई क्योंकि मैंने ममता को हराया

शुभेंदु अधिकारी ने पीए की हत्या को बताया सोची-समझी साजिश

नई दिल्ली/ एजेंसी

शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या का आरोप टीएमसी पर लगाया है। उन्होंने कहा कि मैने पश्चिम बंगाल की भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी को हरा दिया, इसलिए उन्होंने मेरे सहयोगी चंद्रनाथ रथ को मार दिया। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द गुनहगारों को पकड़ा जएगा। पुलिस ने वह बाइक बरामद कर ली है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर हमलावरों ने किया था। इस बाइक को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित मध्यमग्राम पुलिस थाने लाया गया है। सुवेंदु अधिकारी ने बताया कि हमालवरों ने बहुत नजदीक से उन्हें गोली मारी है। जो भी हमलावर से उन्हें अच्छे से पता थी कि कहां गोली मारने से उनका तुरंत मौत दो जाएगी। अधिकारी ने बताया उनके शरीर से चार गोली निकली। यह हत्या पूरी तरह से नियोजन करके की गई है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम में बुधवार रात यह वारदात हुई। चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना को लेकर चश्मदीदों ने कई गंभीर खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि यह हमला पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी। हमलावर 4 से 5 मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए थे। उन्होंने चंद्रनाथ की कार का पीछा किया और दोहारिया इलाके में उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। चंद्रनाथ रथ भारतीय वायुसेना में सेवा देने के बाद भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के सबसे भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों में से एक बन गए थे। 41 वर्षीय रथ मूल रूप से पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदपुर के रहने वाले थे। यह वह राजनीतिक क्षेत्र था, जिसने बंगाल की राजनीति में शुभेंदु अधिकारी के उदय को आकार दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शांत स्वभाव और चर्चाओं से दूर रहने वाले रथ, वर्षों से अधिकारी के करीबी समूह का हिस्सा होने के बावजूद बड़े पैमाने पर जमीन पर काम करते रहे। सक्रिय राजनीतिक संगठनात्मक ढांचे में आने से पहले रथ ने रहरा राम कृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय वायुसेना में लगभग दो दशक बिताए थे। परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि उन्होंने एक बार आध्यात्मिक जीवन पर विचार किया था और छात्र जीवन के दौरान रामकृष्ण मिशन के सिद्धांतों से वे काफी प्रभावित थे। वायुसेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने कॉर्पोरेट क्षेत्र में थोड़े समय के लिए काम किया। इसके बाद वे धीरे-धीरे राजनीतिक समन्वय और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में आगे बढ़े। शुभेंदु अधिकारी के परिवार की तरह ही उनका परिवार भी पहले तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा था।

दोषियों को फांसी मत दो,चंद्रनाथ रथ की मां ने मांगी अनोखी सजा

पश्चिम बंगाल में एक बुधवार रात खूनी वारदात को अंजाम दिया गया। मध्यमग्राम में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड के बाद चंद्रनाथ रथ के परिवार में मातम पसर गया है। चांदीपुर में पीए चंद्रनाथ रथ की मां हासिरानी रथ का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बेटे की मौत की

खबर मिलते ही वे टूट गई। चंद्रनाथ रथ की मां ने दोषियों को फांसी की सजा न देने की मांग की। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि दोषियों को सज़ा मिले। मैं एक मां हूं, मैं नहीं चाहती कि उन्हें फांसी दी जाए। मैं उनके लिए आजीवन कारावास चाहती हूं। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि बीजेपी सत्ता में आई। हमारे प्रदेश अध्यक्ष और नेता बार-बार राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बात कह रहे हैं। लेकिन सत्ताधारी पार्टी के जो लोग तरह-तरह की भड़काऊ टिप्पणियां कर रहे थे, जो कह रहे थे कि 4 तारीख के बाद दिल्ली के 'बाप' भी हमें नहीं बचा पाएंगे, तो 4 तारीख के बाद उन्होंने वही कर दिखाया। अगर मेरे बेटे की मौत किसी दुर्घटना में हुई होती, तो मुझे इतना दुख नहीं होता।

बिहार में हुआ कैबिनेट विस्तार

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कुल 32 मंत्रियों ने ली गोपनियता की शपथ

पटना/ एजेंसी

बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद आज कैबिनेट विस्तार की प्रक्रिया पूरी की गई। पटना में आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली कैबिनेट का विस्तार किया गया। गांधी मैदान में सम्राट चौधरी और उनकी कैबिनेट में कुल 32 मंत्रियों ने मंत्री पद और गोपनियता की शपथ ली। बिहार में कैबिनेट विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राजनाथ सिंह और कई अन्य नेता उपस्थित रहे। बिहार के लिए अहम चेहरा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने विजय सिन्हा, दिलीप जायसवाल, श्रवण कुमार, निशान्त कुमार और लेसी सिंह को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसी क्रम में रामकृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह टाइगर, अशोक चौधरी ने शपथ ली। इसके अलावा पटना के गांधी मैदान में रमा निषाद, रत्नेश सदा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन, केदार प्रसाद गुप्ता और लखेन्द्र कुमार रौशन ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। पटना में सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मोहम्मद जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और प्रमोद कुमार ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। नीतीश कुमार ने बाकी सभी पुराने नेताओं पर भरोसा जताया है। विभागों के संबंध में, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और नेता नीतीश कुमार मिलकर तय करेंगे कि किसे कौन सा विभाग और ज़िम्मेदारी मिलेगी। भाजपा से 15 और जेडीयू से 13 मंत्रियों ने शपथ ली। सहयोगी दल से 4 मंत्रियों ने ली शपथ।

ऑपरेशन सिंदूर पर बड़ा खुलासा

13 जेट्स ढेर,11 एयर फील्ड हुए ध्वस्त-एयर मार्शल एके भारती

नई दिल्ली। पिछले साल 7 मई 2025 को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम का एक बड़ा मिशन चलाया था। जिसकी आज पहली सालगिरह है। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पड़ोसी देश पाकिस्तान को हुए भारी नुकसान का आधिकारिक ब्यौरा पेश किया है। सैन्य अफसरों ने साफ कहा कि इस ऑपरेशन का मकसद सिर्फ आतंकी अड्डों को खत्म करना ही नहीं था, बल्कि पाकिस्तान को यह चेतावनी देना भी था कि अगर उसने भारत की सीमाओं या सुरक्षा के साथ कोई छेड़छाड़ की, तो भारत अब उसे बिल्कुल भी सहन नहीं करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एयर मार्शल ए.के. भारती ने पाकिस्तान के दावों की हवा निकालते हुए सारे तथ्य रखे। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के 11 एयरफील्ड्स को निशाना बनाया। इसके अलावा, पाकिस्तान के 13 लड़ाकू विमान पूरी तरह तबाह कर दिए गए। साथ ही, भारतीय सेना ने एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए 300 किलोमीटर की दूरी से सटीक निशाना लगाकर दुश्मन को ढेर किया। यह कामयाबी दिखाती है कि भारत की मिसाइल तकनीक आज कितनी आधुनिक और अचूक हो चुकी है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने जानकारी दी कि ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान और पीओके के भीतर स्थित 9 प्रमुख आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है

लेफ्टिनेंट जनरल घई ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का असर अब भी कायम है। इसका मतलब यह है कि सेना ने इस मिशन से मिली सीख के बाद अपने काम करने के तरीके और सैनिकों की तैनाती में बड़े बदलाव शुरू कर दिए हैं। उन्होंने साफतौर पर कहा कि अगर आगे कभी फिर से बड़े सैन्य हमले की जरूरत पड़ी तो भारतीय सेना उसके लिए पूरी तरह तैयार है। आतंकवाद को खत्म करने के लिए भारत का यह अभियान लगातार चलता रहेगा।

ग्वालियर में शादी से लौट रहे दोस्तों की कार बनी आग का गोला, 2 की मौत

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में बुधवार को एक चलती कार में आग लग गई, जिससे उसमें सवार 2 लोग जिंदा जल गए। हादसा डाबरा इलाके में हुआ है। घटना के समय तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई, जिसके बाद उस पर बिजली के तार गिर पड़े। बताया जा रहा है कि 11केवी बिजली के खंभे से तार गिरने पर पूरी कार में आग लग गई और देखते ही देखते आग का गोला बन गई।छतरपुर निवासी अवधेश विश्वकर्मा (32) और रामजी सोनी (33) शिवपुरी आए थे।

जंगल से निकल रहा काला खजाना

सुरक्षा बलों की सर्चिंग में खुल रहे माओवादियों के गुप्त राज बस्तर में 50 करोड़ से ज्यादा पूंजी छिपे होने का अंदेशा है....

जगदलपुर। बस्तर में माओवादी नेटवर्क के कमजोर पड़ने के साथ अब उनके आर्थिक ढांचे की परतें खुलने लगी है। सुरक्षा बलों की लगातार सर्चिंग में ऐसे डंप सामने आ रहे हैं, जो इस बात की गवाही दे रहे हैं कि संगठन सिर्फ बंदूक के दम पर नहीं बल्कि मजबूत आर्थिक जाल पर भी टिका था। बीते तीन महीनों में जवानों ने करीब 6 करोड़ 75 लाख रुपए नगद और 8 किलो सोना बरामद किया है, जो इस छिपे खजाने की एक झलक भर है। आईजी सुंदरराज पी के मुताबिक,

यह बरामदगी अंदरूनी इलाकों में छिपाकर रखे गए डंप से हुई है, जिनकी तलाश अभी भी जारी है। जानकार बताते हैं कि नोटबंदी के बाद माओवादियों ने रणनीति बदली और नगद की जगह सोने में निवेश करना शुरू किया, ताकि जोखिम कम रहे। बरामद 8 किलो सोने की कीमत ही करीब 13 करोड़ रुपए आंकी गई है, जिससे संगठन की आर्थिक ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह पैसा तेंदूपत्ता संग्राहकों, ठेकेदारों और विकास कार्यों में लगे लोगों से लेवी के रूप में वसूला जाता था, जो साल दर साल करोड़ों में पहुंचता था। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र तिवारी मानते हैं कि अब तक मिली रकम सिर्फ सतह है, असल में बस्तर में ही माओवादियों की छिपी पूंजी 50 करोड़ से ज्यादा हो सकती है। यानी जैसे-जैसे माओवादी नेटवर्क खत्म हो रहा है, वैसे-वैसे उनका आर्थिक साम्राज्य भी उजागर हो रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज में नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए।

जालंधर में मचा हड़कंप

सीएम मान को भी मिली जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। मंगलवार को पंजाब में हुए दो धमाके के बाद एक बार फिर से गुरुवार को जालंधर में कई स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल मिलने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि जालंधर के करीब 6 स्कूलों को ऐसे ई-मेल भेजे गए। इसमें बम धमाके और आत्मघाती कार हमले जैसी धमकियां दी गई हैं। साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भी जान से मारने की धमकी दी गई है। इसके बाद से लोग दहशत में

आ गए हैं। बम धमाके की धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड पर आ गईं। साथ ही एपीजे स्कूल ने एहतियात के तौर पर बच्चों की छुट्टी कर दी।

विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

अड़े राज्यपाल राजेंद्र-118 विधायक लाओ,तभी होगी शपथ

चेन्नई/ एजेंसी

तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा। दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। ऐसे में पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह जाएगी। सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके को उस समय बड़ी राहत मिली जब कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन से अलग होकर विजय को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पांच विधायक टीवीके के

साथ आए, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ ग्रहण को लेकर कोई हरी झंडी नहीं दी है। बुधवार को विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि राज्यपाल ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल समर्थन पत्र या मौखिक दावे पर्याप्त नहीं होंगे। उन्हें 118 विधायकों का ठोस समर्थन चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बनने वाली सरकार स्थिर रहेगी और विधानसभा में बहुमत साबित कर सकेगी। इस बीच टीवीके नेता वीएस बाबू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया जल्द आगे बढ़ सकती है।

जिले के 2140 आंगनबाड़ी केंद्रों में न्यौता भोज का आयोजन, विधायक नेताम ने ग्राम बेवरती में आयोजित न्यौता भोज कार्यक्रम में पहुंचें

कांकेरः/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /–उत्तर बस्तर कांकेर 07 मई 2026 कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिले के 2140 आंगनबाड़ी केंद्रों में गुरूवार को न्यौता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न गांवों में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों के साथ भोजन किया, साथ ही उन्होंने आंगनबाड़ी की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। कांकेर विकासखण्ड के ग्राम बेवरती के आंगनबाड़ी केन्द्र में भी न्यौताभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक आशाराम नेताम भी पहुंचे। उन्होंने बच्चों को भोजन परोसा और स्वाद भी चखा। न्यौता भोज कार्यक्रम के दौरान विधायक आशाराम नेताम ने बच्चों के पालको और बच्चो से पढ़ाई, खेलकूद और भोजन की गुणवत्ता को लेकर बातचीत की। उन्होंने छोटे बच्चों से आत्मीयता के साथ बात करते हुए उन्हें नियमित रूप से आंगनबाड़ी आने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण देने का माध्यम नहीं है, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास की पहली पाठशाला भी है। यहां बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक

शिक्षा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। विधायक नेताम ने न्यौता भोज के मध्यम से नागरिकों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ने की अपील भी की। उन्होंने इस परंपरा को समाज से जोड़ने तथा आगामी पीढ़ी को संस्कारवार बनाने का मध्यम भी बताया। आंगनबाड़ी केंद्र के स्टाफ ने विधायक नेताम को केंद्र में संचालित योजनाओं और बच्चों के उपस्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि शासन की योजनाओं के तहत बच्चों और गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। विधायक ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों में भी वे बेहतर कार्य कर रही हैं और बच्चों के भविष्य को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आंगनबाड़ी में पाँच बच्चों के अन्नप्रासन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। न्यौता भोज में ग्रामीणों और अभिभावकों की सहभागिता भी देखने को मिली। महिलाओं ने भोजन बनाने और परोसने में सहयोग किया। कार्यक्रम में खिचड़ी, दाल, चावल, सब्जी और पौष्टिक व्यंजन बच्चों को परोसे गए। बच्चों ने भी उत्साह के साथ भोजन किया और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। इस अवसर पर डीपीओ विपिन जैन एवं सरपंच विष्णु नेताम स्थानीय जनप्रतिनिधि, महिला समूह की सदस्य, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिलेभर में आयोजित इस न्यौता भोज कार्यक्रम से बच्चों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने इसे सामाजिक सहभागिता और बच्चों के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का सकारात्मक प्रयास बताया। न्यौता भोज कार्यक्रम का उद्देश्य समाज और आंगनबाड़ी केंद्रों के बीच आत्मीय संबंध मजबूत करना तथा बच्चों के पोषण और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

चांपा शहर में संगठन सृजन के तहत बूथ 55–56 में कांग्रेस की मजबूत बैठक

चांपा/मूक पत्रिका

संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत चांपा (शहर) ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा वार्ड क्रमांक 15 एवं 16 में आने वाले बूथ क्रमांक 55 व 56 में व्यापक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत ममतामयी मिनीमाता जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता चांपा (शहर) ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुनील साधवानी ने की। बैठक में बूथ कमेटियों की मजबूती, घर-घर संपर्क, संगठन विस्तार और आगामी चुनावों की जमीनी तैयारी पर विस्तार से चर्चा की गई। सुनील साधवानी ने उपस्थित पदाधिकारियों को बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, मतदाताओं से सतत संवाद और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।कार्यक्रम में विशेष रूप से राजेश अग्रवाल, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, उपस्थित रहे। उन्होंने ÷मेरा बूथ सबसे मजबूत÷ के मंत्र पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों के अंतर्गत घर-घर जाकर कांग्रेस पार्टी की रीति-नीतियों तथा पूर्ववर्ती सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने का आह्वान किया। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने संगठनात्मक अनुशासन और समन्वय को सफलता की कुंजी बताया। वार्ड पार्षद दुर्गा कुर्रे ने बैठक को संबोधित करते हुए बूथ बैठकों की महत्ता रेखांकित की और कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री सेवक बुटू देवांगन, मंडल अध्यक्ष राज सरोज, चांपा ब्लॉक सचिव जीवन बंजारे, राकेश जोशी, बूथ 55 की अध्यक्ष सुनीता कुर्रे, तथा बूथ 56 के अध्यक्ष परदेशी केंवट सहित दोनों बूथों की 14-14 सदस्यीय टीमें उपस्थित रहीं। इसके साथ ही बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता और युवा कांग्रेसजन भी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष सुनील साधवानी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पार्षद दुर्गा कुर्रे द्वारा किया गया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

आदिवासी कांग्रेस की सलाहकार परिषद में विक्रम मंडावी को जगह

एआईसीसी ने जारी की सूची, प्रदेश के 19 नेताओं को सदस्य बनाया

बीजापुर/मूक पत्रिका

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE
ALL INDIA ADIVASI CONGRESS

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ राज्य आदिवासी सलाहकार परिषद का गठन किया है। जारी सूची में विधायक विक्रम मंडावी को सदस्य बनाया गया है। नियुक्ति के बाद जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है।

नई दिल्ली से जारी अधिसूचना में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, विधायक कवासी लखमा समेत प्रदेश के कई वरिष्ठ आदिवासी नेताओं को परिषद में शामिल किया गया है।परिषद में कुल 19 सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पूर्व सांसद खेलसाय सिंह और पूर्व विधायक बोधराम कंवर को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विक्रम मंडावी को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मंडावी लंबे समय से आदिवासी समाज और क्षेत्रीय मुद्दों को मजबूती से उठाते रहे हैं। नई जिम्मेदारी से संगठन को और मजबूती मिलेगी।

बंगाल चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका से मिला रणनीतिक अनुभव - अमर सुल्तानिया

बंगाल चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत, रणनीति और संगठन ने रचा इतिहास

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने राज्य की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव दर्ज किया है। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया और लंबे समय से चली आ रही टीएमसी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। इस ऐतिहासिक जीत में जांजगीर-चांपा जिले के भाजपा नेता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अमर सुल्तानिया की सक्रिय और सुनियोजित भूमिका भी सामने आई है। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर अमर सुल्तानिया ने क्रेड़ा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी के मार्गदर्शन में वर्धमान जिले की दक्षिण सीट पर भाजपा प्रत्याशी मौमिता बिस्वास मिश्रा के पक्ष में व्यापक चुनाव प्रचार किया। स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर की गई रणनीतिक मेहनत का परिणाम यह रहा कि मौमिता बिस्वास मिश्रा ने करीब 30 हजार मतों से ऐतिहासिक जीत दर्ज की। अमर सुल्तानिया ने कहा कि बंगाल चुनाव प्रचार में मिली जिम्मेदारी उनके लिए रणनीतिक मैदान में सीखने का बड़ा अवसर रही। उन्होंने बताया कि इस जीत की असली ताकत बूथ स्तर पर तैयार की गई सूक्ष्म योजना रही। मतदाता सूची का गहन विश्लेषण, घर-घर संपर्क अभियान और मतदान दिवस की माइक्रो प्लानिंग ने निर्णायक भूमिका निभाई। बूथ प्रभारी से लेकर पन्ना प्रमुख तक की सक्रियता ने मतदाताओं को अंत तक जोड़े रखा।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय नेतृत्व की आक्रामक रणनीति एवं जनसंवाद को चुनावी माहौल भाजपा के पक्ष में मोड़ने वाला बताया। साथ ही छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम ने बंगाल में संगठनात्मक आधार को सशक्त किया।चुनाव प्रचार के दौरान जेपी नड्डा, हिमंत बिस्वा सरमा, स्मृति ईरानी और मनोज तिवारी सहित कई दिग्गज नेताओं की रैलियों ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा। वहीं छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और वित्त मंत्री ओपी चौधरी की मौजूदगी से संगठन को और मजबूती मिली। बताया गया कि पवन साय को सौंपी गई 56 सीटों में से 51 सीटों पर भाजपा की जीत दर्ज हुई, जिसे मजबूत बूथ मैनेजमेंट और समन्वित रणनीति का परिणाम माना जा रहा है। वर्धमान जिले की 14 सीटों पर भी छत्तीसगढ़ के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ जनमत तैयार हुआ।

सुशासन तिहार में युवक की अनोखी मांग,आवेदन पढ़कर हंस पड़े मौजूद लोग

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम पंचायत बालपुर में सुशासन तिहार के तहत एक अनोखा आवेदन रवि कुमार शखूस से प्राप्त हुआ है,छत्तीसगढ़ में इन दिनों चल रहा लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत आम नागरिक अपनी शिकायतें, मांगें और समस्याएं प्रशासन तक सीधे पहुंचा रहे हैं। लेकिन इसी दौरान एक ऐसा आवेदन सामने आया जिसने अधिकारियों से लेकर पुरे छत्तीसगढ़ वासीयों को चौंका दिया है।आवेदन के अनुसार, एक युवक ने प्रशासन को आवेदन देकर अपनी ÷पत्नी दिलाने÷ की मांग कर डाली। युवक का कहना था कि वह लंबे समय से अकेला है,और उसकी शादी नहीं हो पा रही है, ढुंढ-ढुंढ कर पैसे खर्च हो गए जिससे वह निराश हो गया इसलिए उसका कहना हैं सरकार उसकी मदद करे। आवेदन पढ़ते ही अधिकारियों के चेहरे पर मुस्कान आ गई और वहां मौजूद लोग भी हंस पड़े।बताया जा रहा है कि युवक ने अपने आवेदन में लिखा कि सरकार हर तरह की समस्याओं का समाधान कर रही है, इसलिए उसकी इस परेशानी का भी हल निकाला जाए। उसने यह भी कहा कि उसकी उम्र बढ़ती जा रही है और परिवार वाले भी उसकी शादी को लेकर परेशान हैं। युवक का दावा था कि उसने कई जगह रिश्ते देखे लेकिन बात नहीं बन सकी।सुशासन तिहार के दौरान अब तक सड़क, बिजली, पानी, राशन और पेंशन जैसी हजारों शिकायतें आई हैं, लेकिन इस तरह का आवेदन पहली बार देखने को मिला।

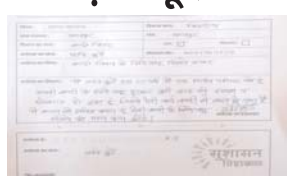

सोमनाथः भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ !

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा हैः प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है। 1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया। दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

रोजगार और पक्के मकान का सपना होगा साकार

साजा क्षेत्र में उत्साहपूर्वक मनाया गया रोजगार दिवस एवं आवास दिवस

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल संरक्षण अभियानों की दी गई विस्तृत जानकारी, ग्रामीणों को किया गया जागरूक 7 जनपद पंचायत साजा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में आज ÷रोजगार दिवस÷ एवं ÷आवास दिवस÷ का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को समय पर आवास निर्माण पूर्ण करने हेतु प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत तिरियाभाठ, बेलतरा, ढाप, सुखाताल, बोरतरा, मोहतरा, खाती एवं तेंदुआ सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग, पंचायत प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारीकार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों को उनके खातों में हस्तांतरित राशि की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सभी अपूर्ण आवास निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने पर विशेष चर्चा की गई।

अधिकारियों ने हितग्राहियों से कहा कि शासन की मंशानुरूप निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण कार्य पूर्ण करें, ताकि प्रत्येक परिवार का पक्के मकान का सपना साकार हो सके।स्व-सहायता समूहों को मिलेगा प्रोत्साहन

कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह (सात) की दीदियों को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने और निर्माण कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति में भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महिला समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और शासन द्वारा उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

जल संरक्षण के लिए ग्रामीणों को किया गया प्रेरित–÷आवास दिवस÷ के दौरान जल संरक्षण को विशेष प्राथमिकता दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों एवं ग्रामीणों को अपने घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने तथा सोक पीट (सोखता गड्ढा) बनाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि वर्षा जल संचयन से भू-जल स्तर में सुधार होगा तथा भविष्य में जल संकट से राहत मिलेगी।

मनरेगा के कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर–÷रोजगार दिवस÷ के अवसर पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत संचालित प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने निर्देशित किया कि मई माह के भीतर सभी स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण कराया जाए। साथ ही ग्रामीणों की मांग के आधार पर नए कार्य प्रारंभ करने पर भी चर्चा की गई, ताकि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध हो सके।

÷मोर गांव-मोर पानी-मोर तरिया÷ अभियान की दी गई जानकारी–कार्यक्रम में ÷मोर गांव-मोर पानी-मोर तरिया÷ अभियान अंतर्गत संचालित ÷नवा तरिया ङ्क आय के जरिया÷ अभियान की भी विस्तृत जानकारी दी गई। सभी ष्टरुस्न समूहों को नए तालाब (तरिया) निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इससे जल संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों के लिए आय के नए स्रोत भी विकसित होंगे।

ह्नक्र कोड के माध्यम से मनरेगा जानकारी प्राप्त करने की सुविधा–ग्रामीणों को मनरेगा योजनाओं एवं कार्यों की जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराने हेतु ह्नक्र कोड स्कैन करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। अधिकारियों ने बताया कि ह्नक्रकोड के माध्यम से ग्रामीण आसानी से योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे पारदर्शिता एवं जागरूकता बढ़ेगी।

ग्राम पंचायत बेलतरा में ÷चावल उत्साह दिवस÷ का आयोजन–ग्राम पंचायत बेलतरा में ÷चावल उत्साह दिवस÷ भी मनाया गया। इस दौरान ग्रामीण बरगद के वृक्ष की छांव में एकत्रित हुए और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर किया गया निराकरण–कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों, सचिवों एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गई तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं को गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए प्रशासन की पहल की सराहना की।

सुशासन तिहार के तहत बहीगांव में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

कोंडागांव/केशकाल/मूक पत्रिका

राज्य शासन द्वारा संचालित सुशासन तिहार के अंतर्गत गुरुवार को केशकाल विकासखंड के ग्राम बहीगांव में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम शामिल हुए। कार्यक्रम में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मरकाम, जिला पंचायत सदस्य कपिलकांत नाग, श्रीमती चरनतीन नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार जनकल्याण और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है। धान खरीदी योजना से किसानों को राहत मिली है, वहीं महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है। विधायक ने युवाओं से स्वरोजगार अपनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील भी की।

24 हितग्राहियों को मिली प्रधानमंत्री आवास की प्रतीकात्मक चाबी-शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 24 हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर प्रतीकात्मक चाबी प्रदान की गई। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ वितरित किया गया।

श्रम विभाग द्वारा 11 श्रम पंजीयन कार्ड वितरित किए गए।राजस्व विभाग द्वारा 10 डिजिटल किसान किताब एवं 19 बी-1 प्रदान किए गए।मत्स्य विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल दिए गए।समाज कल्याण विभाग द्वारा व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र एवं बैसाखी प्रदान की गई।कृषि विभाग द्वारा 5 किसानों को बीज उपलब्ध कराए गए।खाद्य विभाग द्वारा 5 राशन कार्ड वितरित किए गए।स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 आयुष्मान कार्ड एवं 6 केसीसी कार्ड दिए गए तथा 200 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।उद्यानिकी विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को पौधे वितरित किए गए।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 4 गोद भराई एवं 3 अन्नप्राशन कार्यक्रम संपन्न कराए गए।कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, ग्राम सरपंच श्रीमती डामेश्वरी रावटे, श्रीमती गंगोत्री मरकाम, देवीलाल, लंबोदर सलाम, एसडीएम आकांक्षा नायक, तहसीलदार गणेश सिदार, जनपद पंचायत सीईओ अनुराग सिन्हा सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कोटपा एक्ट के प्रावधानों के तहत जिले में की गई सघन कार्रवाई

बाराद्वार क्षेत्र में 12 चालानी प्रकरण दर्ज कर वसूला गया जुर्माना

तंबाकू नियंत्रण एवं जनजागरूकता हेतु अभियान निरंतर जारी

सक्ती/मूक पत्रिका

सही दवा शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार÷ अभियान के तहत जिले में तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री एवं सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। कलेक्टर के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सक्ती के मार्गदर्शन में औषधि निरीक्षक दुर्गेश कैवर्त एवं पुलिस विभाग थाना बाराद्वार में पदस्थ अयूब खान एवं राजेश्वर कुर्रे की संयुक्त टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान बाराद्वार क्षेत्र के संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, पान मसाला, जर्दा एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने हेतु सघन जांच की गई। जांच के दौरान कई दुकानदार कोटपा एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करते पाए गए, जिनके विरुद्ध मौके पर कुल 12 चालानी कार्रवाई करते हुए 2400 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान दुकानदारों को धूम्रपान निषेध संबंधी चेतावनी बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाने तथा सार्वजनिक रूप से धूम्रपान करने वालों को लाइटर एवं माचिस उपलब्ध नहीं कराने के निर्देश भी दिए गए। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर तंबाकू सेवन एवं बिक्री के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा, ताकि लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

अमलीडीह के तत्कालीन सचिव को जिला पंचायत सीईओ ने किया निलंबित

सक्तीं/मूक पत्रिका

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सक्ती श्वासु जैन ने जनपद पंचायत मालखरौदा अंतर्गत ग्राम पंचायत अमलीडीह के सरपंच, उपसरपंच एवं पंचगण द्वारा प्रस्तुत शिकायतों की जांच के आधार पर तत्कालीन सचिव शत्रुघ्न साहू के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अधिकारियों को सहयोग नहीं करने, दुर्व्यवहार करने तथा शासकीय आदेशों एवं निर्देशों की अवहेलना किए जाने की पुष्टि हुई। प्राप्त जानकारी अनुसार जनपद पंचायत मालखरौदा द्वारा गठित जांच टीम की रिपोर्ट में पाया गया कि शत्रुघ्न साहू, तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत अमलीडीह एवं वर्तमान ग्राम पंचायत छपोरा द्वारा शासकीय कार्यों के निर्वहन में लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं अनुशासनहीनता बरती गई। साथ ही समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहने एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी प्राप्त नहीं होने के संबंध में जारी कारण बताओ सूचना का भी जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत अमलीडीह में पदस्थ सचिव श्रीमती सुशीला भारद्वाज को प्रभार सौंपने संबंधी निर्देश दिए जाने के बावजूद आज दिनांक तक प्रभार नहीं सौंपा गया, जिसे शासकीय आदेशों की अवहेलना माना गया है। उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा शर्त नियम 1998 तथा सचिवों के कर्तव्य नियम 1999 के विपरीत पाए जाने पर जनपद पंचायत मालखरौदा द्वारा निलंबन का प्रस्ताव प्रेषित किया गया था। इसके आधार पर छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के तहत शत्रुघ्न साहू, तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत अमलीडीह वर्तमान ग्राम पंचायत छपोरा, जनपद पंचायत मालखरौदा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत मालखरौदा, जिला सक्ती निर्धारित किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

श्याम मंदिर चांपा में चार दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

चांपा/मूक पत्रिका

स्थानीय सुभाष चौक स्थित श्री श्याम मंदिर का पन्द्रहवां स्थापना दिवस समारोह इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है। श्री श्याम बाबा सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित यह चार दिवसीय समारोह बुधवार 6 मई से शनिवार 9 मई तक विविध धार्मिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा।समारोह के अंतर्गत भव्य निशान यात्रा, श्री श्याम संकीर्तन, श्री श्याम पाठ एवं भंडारा प्रसाद जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आयोजन के प्रथम दिवस बुधवार को श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम सखी मंडल के सहयोग से महिलाओं द्वारा अपने हाथों में ÷श्याम नाम÷ की मेहंदी लगाई गई। इस दौरान मंदिर परिसर भक्ति और श्रद्धा के वातावरण से सराबोर रहा।श्री श्याम बाबा सेवा समिति के पदाधिकारी ने बताया कि समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्थापना दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है।समिति के अनुसार दूसरे दिन गुरुवार 7 मई को शाम 5 बजे स्टेशन रोड स्थित ओम सिटी परिसर से श्री श्याम मंदिर तक श्याम भक्तों द्वारा भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। वहीं तीसरे दिन शुक्रवार 8 मई को रात्रि 8 बजे से श्री श्याम मंदिर परिसर में भव्य श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन होगा, जिसमें जयपुर के सुप्रसिद्ध भजन गायक आयुष सोमानी, जमीनीपाली की भजन गायिका आशीषी-आशी तथा चांपा के भजन गायक पंकज अग्रवाल द्वारा श्री श्याम भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।चार दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन शनिवार 9 मई को सुबह 9 बजे श्री श्याम पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 12:30 बजे मंदिर के सामने स्थित अनिल मोदी के निवास पर भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा।समारोह को सफल बनाने में श्री श्याम बाबा सेवा समिति, श्री श्याम युवा मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। पूरे आयोजन के दौरान श्री श्याम प्रभु का आकर्षक दरबार, विशेष श्रृंगार, फूलों की होली, छप्पन भोग एवं अखण्ड ज्योति श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

सुशासन तिहार में वनांचल की महिलाओं से आत्मीय संवादः संघर्ष की कहानियों में दिखी आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की तस्वीर

रायपुर/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार में वनांचल की महिलाओं से आत्मीय संवादः संघर्ष की कहानियों में दिखी आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की तस्वीर रायपुर ङ्क कबीरधाम जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में 4 मई को सुशासन तिहार के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने सरकारी योजनाओं के असर को आंकड़ों से निकालकर मानवीय संवेदनाओं से जोड़ दिया। घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसे ग्रामपंचायत लोखान के कमराखोल में जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय अचानक ग्रामीणों के बीच पहुंचे, तो वहां मौजूद महिलाओं के लिए यह केवल मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं थी, बल्कि अपने संघर्षों को पहचान मिलने का भावुक क्षण था।

आम के पुराने विशाल पेड़ की छांव में चौपाल सजी। मुख्यमंत्री महिलाओं और ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे सहज बातचीत कर रहे थे। गांव की महिलाएं खुलकर अपनी जिंदगी की कहानियां साझा कर रही थीं ङ्क कभी आर्थिक तंगी, सीमित अवसर और संघर्षों से भरी जिंदगी, तो आज स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने तक का सफर। जब मुख्यमंत्री को बताया गया कि बिहान योजना से जुड़कर यहां की कई महिलाएं ÷लखपति दीदी÷ बन चुकी हैं, तो उनके चेहरे पर संतोष और गर्व दोनों दिखाई दिए। उन्होंने कहा ङ्क ÷आप लोगों ने मेहनत और आत्मविश्वास से अपनी जिंदगी बदली है। अब यहीं मत रुकिए। बड़ा सोचिए, आगे बढ़िए। अब आपको करोड़पति दीदी बनने का सपना देखना है।÷मुख्यमंत्री के ये शब्द चौपाल में मौजूद नारीशक्ति के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं थे। ग्राम कुकदूर की श्रीमती कचरा तेलगाम ने अपनी कहानी साझा की। श्रीमती कचरा तेलगाम ने बिहान योजना से मिले दो लाख रुपये के ऋण से शटरिंग प्लेट्स खरीदीं और नया व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत आसान नहीं थी, लेकिन मेहनत और लगन ने धीरे-धीरे उनकी जिंदगी बदल दी। आज उनके पास लगभग 1700 वर्गफुट शटरिंग सामग्री है और वे 22 से अधिक मकानों के निर्माण कार्य में सहयोग कर चुकी हैं। इस काम से उन्हें हर साल ढाई से तीन लाख रुपये तक की आय हो रही है।

कचरा तेलगाम बताती हैं कि पहले वे केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, लेकिन अब वे परिवार की आर्थिक ताकत बन चुकी हैं। बच्चों की पढ़ाई, घर की जरूरतें और भविष्य की बचत -सब कुछ अब वे आत्मविश्वास के साथ संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने जिस अपनेपन से बात की, उससे लगा कि हमारी मेहनत सच में किसी ने देखी और समझी है। अब और आगे बढ़ने का हौसला मिला है।सुशासन तिहार के इस दौरे ने यह स्पष्ट किया कि शासन की योजनाएं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आज गांवों में आर्थिक बदलाव की नई धुरी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि दूरस्थ अंचलों की महिलाएं आत्मनिर्भर बनें और सम्मान के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं, तो पूरा परिवार और समाज मजबूत होता है।कबीरधाम के इन वनांचल गांवों में आम की छांव के नीचे हुई यह चौपाल महिलाओं के भीतर जगे नए विश्वास, बड़े सपनों और बदलती जिंदगी की नई शुरुआत का प्रतीक बन चुकी है। ÷लखपति दीदी÷ से ÷करोड़पति दीदी÷ तक का यह सपना अब गांव-गांव में नई उम्मीद बनकर फैल रहा है।

चाकू लहराकर लोगों को धमकाने वाला युवक गिरफ्तार, बस्तर पुलिस की कार्रवाई

जगदलपुर/बस्तर/मूक पत्रिका

सार्वजनिक स्थान पर बटनदार चाकू लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक युवक को बस्तर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जिले में असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना बोधघाट पुलिस को टाउन पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तिरंगा चौक मिशन स्कूल के पास एक युवक बटनदार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा रहा है।

सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक डी धोत्रे सुमित कुमार दत्ता हरिराव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर कार्रवाई की गई।पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर एक युवक को बटनदार चाकू लहराते हुए पाया। पूछताछ में उसने अपना नाम हरीश तांती पिता मानसिंह तांती, उम्र 26 वर्ष, निवासी नया मुंडा तिरंगा चौक, जगदलपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बटनदार चाकू बरामद कर जप्त किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

कार्रवाई में शामिल अधिकारी-कर्मचारी

निरीक्षक - टामेश्वर चौहान

उप निरीक्षक - ललित सिंह नाग, लोकेश्वर नाग

सहायक उप निरीक्षक - देवेंद्र राय

प्रधान आरक्षक - मयाराम कश्यप

आरक्षक - होरी लाल आर्मो, कामदेव दर्रो

आवास निर्माण प्रारंभ नहीं करने वाले हितग्राहियों पर होगी वसूली कार्रवाई, बार-बार नोटिस के बाद भी नहीं दिखी गंभीरतां

प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि का दुरुपयोग करने वालों पर प्रशासन सख्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत राशि का दुरुपयोग करने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करने तथा योजना की राशि का अन्य कार्यों में उपयोग करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ अब विधिसम्मत वसूली एवं कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) साजा के निर्देशन में ऐसे मामलों की लगातार समीक्षा की जा रही है, जिनमें हितग्राहियों को शासन द्वारा आवास निर्माण हेतु राशि उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन लंबे समय बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया अथवा अधूरा छोड़ दिया गया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब एवं पात्र परिवारों को सुरक्षित और पक्के मकान उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इसलिए योजना की राशि का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कई बार दिए गए अवसर, फिर भी नहीं शुरू हुआ निर्माण कार्य-प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार संबंधित हितग्राहियों को पूर्व में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत साजा के माध्यम से कई बार नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस के जरिए लाभार्थियों को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने तथा शीघ्र आवास निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद अनेक हितग्राहियों द्वारा न तो संतोषजनक जवाब प्रस्तुत किया गया और न ही निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति दिखाई गई। प्रशासन ने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे, इसके लिए पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। ऐसे मामलों में बार-बार चेतावनी देने के बाद भी लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों के खिलाफ अब नियमानुसार वसूली प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

पात्र हितग्राहियों के सपनों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं-अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। शासन द्वारा प्रदान की गई राशि का उद्देश्य केवल आवास निर्माण है। यदि कोई व्यक्ति इस राशि का उपयोग अन्य निजी कार्यों में करता है, तो यह न केवल योजना के उद्देश्य के विपरीत है बल्कि अन्य पात्र हितग्राहियों के अधिकारों को भी प्रभावित करता है।

निगरानी और कार्रवाई आगे भी रहेगी जारी-प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि ऐसे मामलों की सतत निगरानी की जाएगी तथा जिन हितग्राहियों द्वारा आवास निर्माण में लापरवाही बरती जा रही है, उनके विरुद्ध आगामी दिनों में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

साथ ही पात्र हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे शासन की मंशा के अनुरूप समय-सीमा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण कर योजना का लाभ लें।

संपादकीय

नफरती भाषणों पर कानून क्यों बेअसर? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उठे बड़े सवाल

हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं।पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश की राजनीति में लोगों के बीच नफरत फैलाने वाले बयानों या भड़काऊ भाषणों के जरिए सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिशें चिंता का कारण बनती रही हैं। ऐसे अनेक मौके सामने आए, जिनमें किसी नेता पर राजनीतिक स्वार्थ साधने या फायदा उठाने की मंशा से ऐसी बयानबाजियां करने या नारे लगाने के आरोप लगे, जिससे सामाजिक सद्भाव बिगड़ने की आशंका पैदा हुई। मगर ऐसे नेताओं को जहां कानून के कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए था, वहां उनके प्रति पुलिस या शासन-तंत्र ने एक तरह से नरम रवैया अपनाया।शायद इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर बढ़ते नफरती भाषणों की समस्या से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की गई थी। मगर इस मसले पर सुनवाई के बाद अदालत ने कहा कि वर्तमान कानून का ढांचा लोगों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने या सार्वजनिक शांति को भंग करने वाली हरकतों से सक्षम तरीके से निपटता है। इसमें भारतीय दंड संहिता और अन्य संबंधित कानूनों के प्रावधान शामिल हैं।जाहिर है, मौजूदा कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है। मगर इससे इतर नफरती भाषणों के जरिए अगर लोगों के बीच विद्वेष फैलाने की कोशिश की जाती है, तो इसकी नए सिरे से व्याख्या करने और उसे कानूनी दायरे में लाने की जरूरत है। इस संदर्भ में अदालत ने स्पष्ट किया कि अपराध की व्याख्या या उसे परिभाषित करना और सजा तय करना पूरी तरह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। ऐसे में अदालत केवल सुधारों की जरूरत की ओर विधायिका और कार्यपालिका का ध्यान खींच सकती है।अदालत की यह टिप्पणी अहम है कि नफरती भाषणों के संदर्भ में याचिकाकर्ताओं की शिकायत कानून के अभाव में नहीं, बल्कि उसके लागू होने में कमी से पैदा होती है। ऐसी शिकायतें आम रही हैं कि कानूनी प्रावधान होने के बावजूद कई मामलों में पुलिस या तो आरोपों की अनदेखी करती है या फिर कमजोर धाराओं के तहत मामला दर्ज करती है। नतीजतन, जिन गतिविधियों की वजह से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, उसके विरुद्ध कानून लाचार नजर आता है।दरअसल, हाल के वर्षों में कुछ नेताओं ने न केवल लोगों की भावनाएं भड़काने वाले भाषण दिए, बल्कि इस बात का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझा कि इससे देश में अलग-अलग समुदायों के बीच सद्भाव को नुकसान पहुंच सकता है और विषम हालात भी पैदा हो सकते हैं। मगर ऐसे आपत्तिजनक भाषण देने वाले लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने को लेकर सरकारों के भीतर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इस तरह की प्रवृत्ति की अनदेखी करने या सुविधाजनक तरीके से कुछ नेताओं के नफरती भाषणों के प्रति आंखें मूंद लेने का नुकसान आखिरकार आम जनता और देश को उठाना पड़ेगा।शीर्ष अदालत ने भी इसी संदर्भ में कहा कि नफरती भाषण और अफवाह फैलाने से जुड़े मुद्दे सीधे तौर पर भाईचारे, गरिमा और संवैधानिक व्यवस्था के संरक्षण से जुड़े हैं। कायदे से कुछ संवेदनशील स्थितियों के बावजूद अगर मौजूदा कानूनी प्रावधानों का दायरा सीमित है, तो यह केंद्र और राज्य सरकारों पर निर्भर है कि वे बदलते परिदृश्यों तथा चुनौतियों के मद्देनजर आगे किसी ठोस कानूनी उपाय की जरूरत पर विचार करें।

बोलने की भीड़ में खोती चुप्पी, आज मौन ही सबसे बड़ी समझदारी बन गया है

चुप्पी का यह रूप प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। उपनिषदों में कहा गया है कि सच्चा ज्ञानी मौन रहकर ही बोलता है। यहां चुप्पी लिहाज का प्रतीक बन जाती है। जब कोई अप्रिय बात कही जा रही हो, जब बहस तीखी हो रही हो, तब शब्दों की बौछार करने के बजाय चुप रहना ही बुद्धिमत्ता है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस राय को समर्थन देता है। कार्ल जंग ने कहा था कि मौन ही आत्मा की सबसे गहरी अभिव्यक्ति है। आज के दौर में, जहां 'ट्रोलिंग' यानी किसी व्यक्ति को नाहक परेशान करना और विवाद खड़े करना सोशल मीडिया पर आम हैं, यह उक्ति हमें याद दिलाती है कि लिहाज बनाए रखना कितना कठिन, लेकिन आवश्यक है।

(अविनाश जोशी)

जीवन की इस भागदौड़ भरी दुनिया में शब्दों का बोलबाला है। सामान्य भागीदारी वाली बातचीत की सहजता के बजाय हर कोई अपनी बात कहने, अपनी राय थोपने और बहस में उतरने को आतुर रहता है। सोशल मीडिया के इस युग में चुप रहना एक अपराध-सा लगता है, मानो मौन वाक्यहीनता का प्रतीक बन गया हो। मगर क्या वास्तव में चुप्पी का अर्थ शब्दों की कमी है? गहराई से विचार करें, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। एक पुरानी कहावत है- 'चुप हूं तो मतलब ये नहीं कि लफ्ज कम हैं/ चुप हूं बस इसलिए कि लिहाज बाकी है।' यह पंक्ति न केवल व्यक्तिगत संयम की गहराई दर्शाती है, बल्कि मानवीय संबंधों में सम्मान, धैर्य और समझदारी की महत्ता को भी रेखांकित करती है। चुप्पी कभी दुर्बलता नहीं रही, बल्कि यह सबसे मजबूत प्रतिक्रिया होती है। खासतौर पर जब शब्दों से अधिक लिहाज की जरूरत महसूस हो।

चुप्पी का यह रूप प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। उपनिषदों में कहा गया है कि सच्चा ज्ञानी मौन रहकर ही बोलता है। यहां चुप्पी लिहाज का प्रतीक बन जाती है। जब कोई अप्रिय बात कही जा रही हो, जब बहस तीखी हो रही हो, तब शब्दों की बौछार करने के बजाय चुप रहना ही बुद्धिमत्ता है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस राय को समर्थन देता है। कार्ल जंग ने कहा था कि मौन ही आत्मा की सबसे गहरी अभिव्यक्ति है। आज के दौर में, जहां 'ट्रोलिंग' यानी किसी व्यक्ति को नाहक परेशान करना और विवाद खड़े करना सोशल मीडिया पर आम हैं, यह उक्ति हमें याद दिलाती है कि लिहाज बनाए रखना कितना कठिन, लेकिन आवश्यक है।

संबंधों में चुप्पी के लिहाज पर गौर किया जा सकता है। परिवार में पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी नोकझोंक हो, तो झगड़ा बढ़ाने के बजाय चुप रहना ही समझदारी है। माता-पिता बच्चों की जिद पर गुस्सा न होकर मौन धारण करते हैं, क्योंकि उनका लिहाज बच्चों के भावनाओं के प्रति है। दोस्ती में भी यही लागू होता है। जब मित्र गलती पर अड़ जाए, तो तीखे शब्दों से उसे नीचा दिखाने के बजाय चुप रहकर समय देने से रिश्ता मजबूत होता है।

समाज में भी यह सत्य प्रकट होता है। राजनेता, नेता या सामाजिक कार्यकर्ता जब विवादास्पद मुद्दों पर चुप रहते हैं, तो लोग इसे कमजोरी समझते हैं। मगर सच्चाई यह है कि लिहाज बनाए रखने के लिए चुप्पी जरूरी होती है। इस संदर्भ में महात्मा गांधी की संवेदनशीलता को एक उदाहरण माना जा सकता है। सांप्रदायिक दंगों के समय विरोधस्वरूप या उसे खत्म करने के उद्देश्य से वे मौन व्रत में चले जाते थे। उनका लिहाज राष्ट्र के प्रति था और मानवता की रक्षा उनका पहला ध्येय था। आजादी की लड़ाई में भी जब ब्रिटिश अत्याचार चरम पर था, गांधीजी ने कई बार चुप्पी को हथियार बनाया। इसी तरह, राजस्थान की लोक संस्कृति में 'मौन व्रत' की परंपरा है। राजस्थानी समाज में बुजुर्ग अक्सर कहते हैं, 'चुप रहो, तो सम्मान बढ़ता है।'

जो व्यक्ति चुप रहकर सुनता है, वही सच्चा नेतृत्व दे पाता है: कार्यस्थल पर चुप्पी का महत्त्व और भी स्पष्ट है। कॉरपोरेट दुनिया में, जहां प्रतिस्पर्धा तीव्र है, बैठक में हर कोई अपनी बात थोपता है, लेकिन जो व्यक्ति चुप रहकर सुनता है, वही सच्चा नेतृत्व दे पाता है। अधिकारी की गलत नीति पर तुरंत विरोध करने वाले कर्मचारी जल्दी बाहर हो जाते हैं, जबकि चुप रहकर सही समय पर सुझाव देने वाले तरक्की पाते हैं। यह लिहाज है हैं, क्योंकि उनका लिहाज समाज के प्रति है। मगर यह भी ध्यान रखने की जरूरत होती है कि समाज के प्रति लिहाज तभी न्यायपूर्ण हो सकती है, जब अन्याय के विरुद्ध चुप रहने के हालात अनंत न हो। राजस्थानी लोकगीतों में भी 'मौन प्रेमी' की कहानियां भरी पड़ी हैं, जहां नायक चुप रहकर अपनी भावनाएं व्यक्त करता है। चित्रकला में भी मौन का चित्रण होता है।

फिर भी, चुप्पी की सीमाएं हैं। हर स्थिति में मौन उचित नहीं। जब अन्याय हो, जब निर्दोष पर अत्याचार हो, तब चुप्पी कायरता बन जाती है। मार्टिन लूथर किंग ने कहा था कि अत्याचार के खिलाफ चुप रहना अपने आप में अत्याचार है। इसलिए चुप्पी का चयन बुद्धिपूर्वक और विवेक के साथ करना चाहिए। लिहाज का अर्थ आंखें बंद करना नहीं, बल्कि सही समय का इंतजार है। योग में 'मौन चिंतन' सिखाया जाता है कि चुप रहकर अंतर्मन से संवाद करो। इससे निर्णय शुद्ध होते हैं।

हालांकि आज के डिजिटल युग में चुप्पी चुनना और भी कठिन है। व्हाट्सएप समूह, फेसबुक बहसों में तुरंत जवाब देने का दबाव रहता है, लेकिन जो व्यक्ति सब पढ़ कर भी चुप रहता है, वही परिपक्व है। दरअसल, चुप्पी से हम अपने आपको, संबंधों को और समाज को संभालते हैं। यह न केवल व्यक्तिगत विकास का साधन है, बल्कि सामाजिक शांति का आधार भी। यानी जब बहस छिड़े, तो सोचने की जरूरत है कि क्या शब्द जरूरी हैं, या चुप्पी का लिहाज ही काफी है! यह चुनाव ही जीवन को समृद्ध बनाता है।

पश्चिम बंगाल में भय की हार भरोसे की जीत

कृष्णमोहन झा

पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रचंड लहर में ममता बनर्जी का किला ढह चुका है।भारतीय जनता पार्टी (पूर्ववर्ती जनसंघ) के संस्थापक स्व.डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गृहराज्य पश्चिम बंगाल के विधान सभा चुनावों में भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल करके इतिहास रच दिया है।पश्चिम बंगाल विधानसभा के अभूतपूर्व चुनावों के अब तक घोषित नतीजों से भाजपा को जो अभूतपूर्व खुशी हो रही होगी उसे समझना कठिन नहीं है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के इन चुनावों को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था इसलिए भाजपा शासित 19 राज्यों के मुख्यमंत्रियों,सैकड़ों पार्टी पदाधिकारियों और हजारों ,कार्यकर्ताओं की फौज ने पार्टी को पश्चिम बंगाल में पहली बार सत्ता की दहलीज तक पहुँचाने के लिए रात दिन एक कर दिये थे। राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वयं ही पार्टी के चुनाव अभियान की बागडोर संभाल रखी थी।देश के किसी राज्य में चुनाव प्रक्रिया के दौरान उपद्रवी तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए चप्पे चप्पे पर सुरक्षा बलों की इतनी बड़ी संख्या में तैनाती भी संभवतःपहले कभी नहीं की गई होगी। कहने का तात्पर्य यह कि इतनी ऐहतियात बरतने के बाद राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार बनने में संशय की कहीं कोई गुंजाइश ही नहीं बची थी।राज्य में दूसरे और अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के तत्काल बाद जब 8 में से 6 एजेंसियों ने अपने एक्जिट पोल में भाजपा को बहुमत मिलने की भविष्यवाणी कर दी तब अनेक राजनीतिक विश्लेषकों ने भी उसे अतिशयोक्ति मान कर यह राय व्यक्त की थी कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी का ऐसा पराभव संभव नहीं है लेकिन चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया है कि ममता बनर्जी अपनी सरकार के विरुद्ध जनता में तेजी से बढते असंतोष का अंदाज़ा लगाने में चूक गईं।ममता बनर्जी राज्य में गत डेढ़ दशकों से सत्तारूढ़ अपनी पार्टीतृणमूल कांग्रेस की शोचनीय पराजय के लिए भले ही एस आई आर को जिम्मेदार ठहराएं लेकिन इस कड़वी हकीकत से उन्हें मुंह नहीं मोड़ना चाहिए कि पिछले पांच सालों में चरम पर पहुंची एंटी इंकम्बेसी ने उनकी पार्टी को सत्ता से बाहर का दरवाजा दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ममता बनर्जी को पूरी विनम्रता के साथ अब यह स्वीकार करने का साहस दिखाना चाहिए कि गत पांच सालों में उजागर हुए भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों और नेताओं की संलिप्तता , संदेश खाली में महिलाओं के शारीरिक शोषण के आरोप, आरजीकर मेडिकल कालेज में महिला डाक्टर की बलात्कार के बाद हत्या सहित राज्य के विभिन्न भागों में महिला उत्पीड़न की घटनाएं, तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की निरंकुशता और युवाओं की बढ़ती बेरोजगारी जैसे कारकों ने उनके पांव के नीचे की जमीन छीन ली।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के इन चुनावों में जब 92 प्रतिशत से अधिक का रिकार्ड मतदान हुआ उसी समय यह संकेत मिल गये थे कि इस बार मतदाताओं ने निर्भय होकर मतदान किया जिसका श्रेय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जाता है जिन्होंने राज्य में एक पखवाड़े से अधिक समय तक मौजूद रहकर मतदाताओं के मन में बैठे उस डर को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मतदान की तारीख के पहले से ही बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती ने मतदाताओं के मन में यह भरोसा जगाया कि अब उन्हें तृणमूल कांग्रेस के निरंकुश कार्यकर्ताओं से डरने की आवश्यकता नहीं है। इतना ही नहीं,केंद्रीय गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल की जनता को आश्वस्त कर दिया था कि चुनाव परिमाणों की घोषणा के बाद भी केंद्रीय सुरक्षा बलों को एकदम वहां से नहीं हटाया जाएगा। गौर तलब है कि गत विधानसभा चुनावों के बाद तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक वर्ग पर राज्य के उन क्षेत्रों में हिंसक गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप लगे थे जहां तृणमूल कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा था।इन चुनावों में भाजपा ममता बनर्जी की मुस्लिमतुष्टीकरण की नीति पर निशाना साधकर जिस तरह हिन्दू मतदाताओं को एकजुट करने में सफल हुई उसने भी भाजपा की प्रचंड जीत का मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण योगदान किया। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रणनीतिक कौशल, पार्टी नेताओं और जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम और राज्य में भय के माहौल की समाप्ति ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के उस सुनहरे स्वप्न को साकार कर नया इतिहास रच दिया है जिसे कल तक नामुमकिन मानने वालों की कमी नहीं थी।आज घोषित चुनाव परिणामों ने उन्हें स्तब्ध कर दिया है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

अलग-थलग पड़ता भारत- ईरान युद्ध में उलझी विदेश नीति, महंगाई बनी सबसे बड़ी चिंता

अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ युद्ध कोई दूर की लड़ाई नहीं है। यह परिदृश्य पश्चिम एशिया का है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के पड़ोस में है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में रहते और काम करते हैं। लाखों भारतीय शिया मुसलमानों का ईरान के लोगों के साथ गहरा संबंध है। कहा जाता है कि भारत का ईरान के साथ पारंपरिक रूप से लंबा और ऐतिहासिक संबंध रहा है। साथ ही यह दावा भी किया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के ईरान के साथ घनिष्ठ व्यापारिक और आर्थिक संबंध स्थापित हुए हैं- उदाहरण के लिए चाबहार बंदरगाह का विकास। मगर भाजपा सरकार के कार्यकाल में ये दावे कमजोर पड़ गए हैं। इसका एक कारण इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच घनिष्ठ मित्रता है।

(पी. चिदंबरम)

भारत का झुकाव इजराइल की ओर रहा है- हाल ही में भारत ने इजराइल की आलोचना से संबंधित ब्रिक्स देशों के मसविदा प्रस्ताव पर वीटो किया था। फिर भी, अमेरिका-इजराइल गठबंधन ने भारत को 'अलग' रखा है और इसके बजाय शांति वार्ता के लिए मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान को तरजीह दी।

अमेरिका और इजराइल का ईरान के खिलाफ युद्ध कोई दूर की लड़ाई नहीं है। यह परिदृश्य पश्चिम एशिया का है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के पड़ोस में है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में रहते और काम करते हैं। लाखों भारतीय शिया मुसलमानों का ईरान के लोगों के साथ गहरा संबंध है। कहा जाता है कि भारत का ईरान के साथ पारंपरिक रूप से लंबा और ऐतिहासिक संबंध रहा है। साथ ही यह दावा भी किया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के ईरान के साथ घनिष्ठ व्यापारिक और आर्थिक संबंध स्थापित हुए हैं- उदाहरण के लिए चाबहार बंदरगाह का विकास। मगर भाजपा सरकार के कार्यकाल में ये दावे कमजोर पड़ गए हैं। इसका एक कारण इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच घनिष्ठ मित्रता है।

नहीं रही पहले जैसी साख: एक समय था, जब किसी भी संघर्ष की स्थिति में शांतिदूत के रूप में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती थी। मगर, इस बार 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका और इजराइल दोनों ने भारत से जानबूझकर दूरी बनाए रखी। जबकि ईरान समय-समय पर भारत को जानकारी देता रहा। भारत का झुकाव इजराइल की ओर रहा है- हाल ही में भारत ने इजराइल की आलोचना से संबंधित ब्रिक्स देशों के मसविदा प्रस्ताव पर वीटो किया था। फिर भी, अमेरिका-इजराइल गठबंधन ने भारत को 'अलग' रखा है और इसके बजाय शांति वार्ता के लिए मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान को तरजीह दी।

भारत अब यह दिखावा नहीं कर सकता कि पश्चिम एशिया में युद्ध से उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। इसने दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है, विशेष रूप से उन देशों को, जिनका वैश्विक व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला और समुद्री हितों में महत्त्वपूर्ण स्थान है। आइए, 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू होने

के बाद से भारत के आर्थिक संकेतकों पर नजर डालें-

दुनिया अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के झूठे दावों और धमकियों से वाकिफ है। उनके इन दावों पर किसी ने विश्वास नहीं किया कि ईरान की वायुसेना और नौसेना पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, या ईरान के पास अब कोई सैन्य संपत्ति नहीं बची है, ईरान में 'सत्ता' बदल गई है (एक या दो बार?), या ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया है, या (अलग-अलग समय पर) युद्धविराम हो गया है। ट्रंप युद्ध रोकते हैं, उसे दोबारा शुरू करते हैं, और फिर विराम की घोषणा करते हैं। इस बीच, ईरान और लेबनान पर इजराइल हमले जारी रखता है, और ईरान जवाबी कार्रवाई करता है। दुनिया जानती है कि 28 फरवरी को शुरू हुआ युद्ध कभी रुका नहीं।

सब कुछ सामान्य नहीं: सरकार का दावा है कि 'सब कुछ सामान्य है'। आरबीआइ युद्ध की कीमत और परिणामों के प्रति अधिक जागरूक प्रतीत होता है। अप्रैल के बुलेटिन में आरबीआइ ने 'वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव', 'ईंधन और खाद्य पदार्थों के कारण महंगाई', 'बांड से आय', 'विदेशी निवेश के प्रवाह में अस्थिरता' और 'आयात में मंदी' का उल्लेख किया तथा चेतावनी दी कि 'यदि संघर्ष जारी रहा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को शीघ्र बहाल नहीं किया गया, तो इससे घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं।' पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के अलावा (संभवतः चुनावों के कारण) सरकार ने नाममात्र के ही कदम उठाए हैं। ऐसा लगता है कि सरकार एक मूकदर्शक बनकर घटनाक्रमों को देख रही है और चुपचाप प्रार्थना कर रही है कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को कोई नुकसान न पहुंचे।

भारत के लोग जुझारू और धैर्यवान हैं। वे जानते हैं कि सरकार से उन्हें बहुत कम मदद मिलने की उम्मीद है। वे अपनी नौकरियों और आय को बचाने के लिए चिंतित हैं। एलपीजी की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति की अनिश्चितता के कारण घरों तथा भोजनालयों में लकड़ी का इस्तेमाल शुरू हो गया है। आम परिवारों ने खपत कम कर दी है और बचत पर जोर दे रहे हैं। ऊपरी तौर पर तो कोई व्यवधान या निराशा नहीं दिखती, लेकिन ग्रामीण इलाकों में जाने पर लोगों की चिंता साफ झलकती है। प्रधानमंत्री चार राज्यों के विधानसभा चुनावों और सितंबर, 2023 में पारित महिला आरक्षण विधेयक को पुनः अधिनियमित कराने के रणनीतिक अभियान में व्यस्त हैं। वे पांच मई के बाद ही शासन पर ध्यान दे सकते हैं।

सरकार और कदम उठा सकती है: सरकार लोगों के जीवन को सुगम बनाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए और भी बहुत कुछ कर सकती है-

*सरकार मनरेगा के तहत बकाया मजदूरी का भुगतान कर सकती है तथा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के निरस्त होने और कथित रूप से पुनः लागू होने के बाद से अधर में लटके कार्यक्रम को दोबारा शुरू कर सकती है।

*ग्रामीण सड़क कार्यक्रम (पीएमजीएसवाई) में तेजी लाई जा सकती है और वर्ष 2026-27 में आबंटित 19,000 करोड़ रुपए 6-8 महीनों में खर्च किए जा सकते हैं (2025-26 में बिना खर्च किए गए 6,871 करोड़ रुपए के विपरीत), और अधिक धनराशि आबंटित की जा सकती है।

*वर्ष 2025-26 में पेयजल मिशन (जल जीवन) के लिए अनुमानित बजट 67,000 करोड़ रुपए था, लेकिन संशोधित बजट सिर्फ 17,000 करोड़ रुपए रहा। वर्ष 2026-27 के लिए बजट में निर्धारित 67,670 करोड़ रुपए अग्रिम रूप से आबंटित किए जा सकते हैं और राज्य सरकारों को तुरंत धनराशि जारी की जा सकती है।

*कोविड महामारी के दौरान किए गए वादे (जिसे पूरा नहीं किया गया) के विपरीत सरकार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने में हुए नुकसान की भरपाई के लिए स्पष्ट रूप से धनराशि निर्धारित करनी चाहिए तथा बैंकों को ऋण जल्द वितरित करने का निर्देश देना चाहिए, ताकि इस क्षेत्र को गति मिल सके, जो अभी भी मंदी में है।

निष्क्रिय बने रहने के बजाय, सार्वजनिक सुविधाओं के प्रावधान, रोजगार सृजन और लोगों की आय बढ़ाने पर खर्च करना निश्चित रूप से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध की कीमत एवं परिणामों से निपटने के लिए प्रभावी उपाय हैं।

मधोता एवं भालुगुडा में विकास कार्यों की बड़ी सौगात, 21 लाख की लागत से बनेगा तालाब और नाली शकुंतला कश्यप

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर ब्लॉक के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 में विकास कार्यों को नई गति मिली है। जिला पंचायत सदस्य शकुंतला कश्यप ने बुधवार को क्षेत्र के मधोता-2 के मुंडकटिया पारा और भालुगुड़ा में कुल 21 लाख रुपये की लागत वाले कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम माटी पुजारी एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में नारियल फोड़कर और भूमि पूजन कर निर्माण कार्यों की शुरुआत की। भूमिपूजन के साथ ही 'रोजगार दिवस' मनाने का निर्णय भी लिया गया, जिससे ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया।

मधोता-2 के मुंडकटिया पारा में 15 लाख रुपये की लागत से एक नया तरिया यानी तालाब का निर्माण किया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस तालाब का निर्माण कार्य आगामी मानसून से पहले ही पूरा कर लिया जाए ताकि बरसात का पानी संग्रहित हो सके और क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा मिले। इस तालाब के बन जाने से भू-जल स्तर में सुधार होगा और गर्मी के दिनों में पशुओं तथा सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। वहीं भालुगुड़ा में 6 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण का कार्य शुरू किया गया है, जिससे गांव की गलियों में जलभराव और गंदगी की समस्या से स्थायी तौर पर निजात मिलेगी और स्वच्छता का स्तर सुधरेगा।शकुंतला कश्यप ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ये दोनों ही कार्य केवल निर्माण कार्य नहीं हैं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम हैं। उन्होंने बताया कि तालाब निर्माण के कार्य में स्थानीय ग्रामीणों को ही रोजगार दिवस के तहत प्राथमिकता से काम दिया जाएगा, जिससे उन्हें गांव में ही रोजी-रोटी मिल सके। इसके अलावा तालाब के पूर्ण होने के बाद महिला स्व-सहायता समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। महिलाओं को मत्स्य पालन, तालाब के किनारे सब्जी उत्पादन और उससे होने वाली सिंचाई की सुविधा के माध्यम से स्थायी आय के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में माटी पुजारी माता पुजारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, पंच-सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि और महिला समूहों की सदस्याएं उपस्थित रहीं। ग्रामीणों ने इन विकास कार्यों के लिए जिला पंचायत सदस्य का आभार जताया और कहा कि लंबे समय से इन कार्यों की मांग की जा रही थी।

पीएम इंटर्नशिप योजना : रायगढ़ में युवाओं के लिए खुले नए अवसर, जिला प्रशासन ने तेज किया अभियान

सीईओ जिला पंचायत ने वीसी के माध्यम से दिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

रायगढ़/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (माई भारत) के प्रभावी क्रियान्वयन रायगढ़ जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। जिले के युवाओं को अधिक से अधिक अवसरों से जोड़ने और उन्हें बेहतर करियर की दिशा देने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर पहल की जा रही है।इसी क्रम में आज जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर योजना की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक पात्र युवा तक इस योजना की जानकारी पहुंचाई जाए तथा आई टी आई, पॉलिटेक्निक, महाविद्यालयों, जनपद एवं नगरीय निकायों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिकतम युवा इसका लाभ उठा सकें।उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिले में वर्तमान में 1,054 इंटर्नशिप अवसर उपलब्ध हैं, जो देश की प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, एनटीपीसी लिमिटेड, मणप्पुरम फाइनेंस, श्रीराम जनरल इंश्योरेंस तथा गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड में प्रदान किए जा रहे हैं। इन इंटर्नशिप के माध्यम से युवाओं को न केवल वास्तविक औद्योगिक अनुभव मिलेगा, बल्कि उन्हें प्रति माह कम से कम 9 हजार रुपए तक की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। यह योजना विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के उन युवाओं के लिए लाभकारी है, जो वर्तमान में फुल-टाइम रोजगार में नहीं हैं और विभिन्न क्षेत्रों में अपने करियर की शुरुआत करना चाहते हैं। विनिर्माण, ऊर्जा, खनन, वित्त, मानव संसाधन एवं संचालन जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध ये अवसर युवाओं को कौशल विकास और रोजगार की दिशा में सशक्त बनाएंगे।जिला प्रशासन द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि अधिक से अधिक युवा इस योजना से जुड़कर अपने भविष्य को संवारें। इसके लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाते हुए युवाओं को pminternship.mca.gov.in पोर्टल के माध्यम से आवेदन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही टोल-फ्री नंबर 1800 116 090 के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर बीज निगम के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की हड़ताल, बीज भंडारण कार्य पूरी तरह ठप

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे हुए हैं। कर्मचारियों के आंदोलन के कारण निगम के कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। खासकर बीज भंडारण का कार्य पूरी तरह शून्य हो गया है, जिससे आने वाले कृषि सीजन की तैयारियों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।जानकारी के अनुसार निगम के लगभग 282 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें पिछले लगभग 2 वर्ष 5 माह से मिलने वाली ?4,000 की श्रम

सम्मान निधि बंद कर दी गई है, जिसे तत्काल पुनः शुरू करने की मांग की जा रही है।

हड़ताली कर्मचारियों की दूसरी प्रमुख मांग यह है कि किसी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार को ?50,000 की सहायता राशि प्रदान की जाए। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद उन्हें किसी प्रकार की स्थायी सुविधा या सामाजिक सुरक्षा नहीं मिल रही है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई बार अपनी मांगों को लेकर निगम प्रबंधन और शासन से गुहार लगाने के बावजूद अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई। जिसके बाद मजबूर होकर कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की। हड़ताल के चलते बीज भंडारण सहित अन्य आवश्यक कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं।

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं किसानों और कृषि कार्यों पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंता बढ़ने लगी है।

में. मां नाथलदाई क्रशर उद्योग संचालक की मनमानी, लीज पर खनन नहीं फिर भी करोड़ों की रॉयल्टी पर्ची जारी

खनिज रिकॉर्ड में 2011 से 2041 तक खनन करने का अनुमति दिए है,, लेकिन खनन केवल कागज पर

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ जिले में गौण खनिज के अवैध कारोबार का एक और बड़ा मामला सामने आया है। जहां पर मां नाथलदाई क्रशर उद्योग संचालक पर आरोप है कि खनिज विभाग से स्वीकृत चिन्हांकित लीज स्थान पर आज तक खनन नहीं हुआ,,,लेकिन कागजों में करोड़ों रुपये की रॉयल्टी पर्ची जारी हो चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार लगातार अवैध खनन करने वाले खनिज माफ़ियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिये हैं जिससे अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके, लेकिन यहां तो पूरा का पूरा मामला ही उल्टा नज़र आ रहा है। बता दें कि छत्तीसगढ़ शासन की आंखों में धूल झोंककर प्रशासन को इसकदर चुना

लगाया जा रहा है कि देखने में सबकुछ ठीक ही नजर आता है लेकिन पर्दे के पीछे क्या चल रही है इसकी कल्पना तो तभी संभव है जब उचित जांच की प्रक्रिया लीज पर और खनन की अनुमति दिए गए जगहों का खनिज विभाग की टीम द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।आपको बता दें कि सम्बन्धित गौण खनिज एरिया में माफ़ियाओं जखीरा काफ़ी सक्रिय है जहां खनन माफ़िया बिना किसी डर के खुले आम अपना काला बाजार चला रहे हैं। स्वाभाविक सी बात है कि जहां विभागों के द्वारा माफ़ियाओं को संरक्षण देकर उनके द्वारा अवैध गतिविधियों को न रोककर अथवा अंकुश ना लगाकर उसे अपना नेतृत्व प्रदान कर अवैध कमाई का जरिया बनाया जा रहा है। खनिज विभाग के रिकॉर्ड में टिमरलागा के जिस खसरा नंबर पर मां नाथल दाई क्रशर को लाइमस्टोन/पत्थर खनन संबंधित लीज दी गई है, वहां मौका-मुआयना करने पर देखा जा सकता है कि उक्त स्थान पर खनन का कोई भी आपको निशान तक नहीं मिल सकता क्यूंकि विभाग द्वारा खनन मंजूरी दी गई जगह/स्थान पर अब तक किसी भी प्रकार की खुदाई ही नहीं हुई है, और जमीन जस की तस पढ़ी है और अपने क्रेशर के लिए खनिज माफ़ियाओ से गुड़ेली टिमरलगा से अवैध पत्थरों की खरीदी कर अपने लीज के नाम से खनिज विभाग से लगातार रॉयल्टी पर्चियां ले रहा हैं। वहीं छत्तीसगढ़ गौण खनिज अधिनियम 2015 के तहत लीज क्षेत्र से बाहर खनन करना और बिना कोई खनन के रॉयल्टी पर्ची जारी करना दोनों ही दंडनीय अपराध हैं। इसमें लीज निरस्त करने के साथ-साथ जुर्माना और दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान है। अगर भौतिक सत्यापन में आरोप सही पाए गए तो लीज निरस्त करने, जारी रॉयल्टी की वसूली और आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई बनती है। वहीं यह सूत्रों से यह भी बताया जा रहा है कि मां नाथल दाई क्रशर उद्योग के संचालक बड़े पहुंचे हुए व्यक्ति हैं जिन्होंने आज तक अपने वैध लीज के जगह से चूना पत्थर खनन किया ही नहीं और लाखों करोड़ों के रॉयल्टी पर्ची जारी करवा लिए जिससे संचालक के धनबल और राजनीतिक पावर पता चलता है। यह आरोप है कि विभागों की मिलीभगत से यहां सब कुछ व्यवस्थित चलता है और सारंगढ़ अब अवैध कारोबार का अड्डा बन चुकी है। यहां पर देखने वाली बात यह है कि यहां कोई कार्यवाही होना तो दूर की बात है उसपर किसी भी प्रकार की कोई सुध ही नहीं ली जाती, मामला चाहे जिलाधिकारी के संज्ञान में भी क्यों न हो, कोई भी कार्यवाही तो होनी नहीं। उच्च अधिकारियों पर अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों के प्रति विमुखता या तो किसी सांठगांठ की ओर इशारा करती है अथवा राजनीतिक दबाव की ओर संकेत करती हुई नज़र आ रही है।

अब देखने वाली बात होगी कि खनिज विभाग कार्रवाई करता है या फिर मामला फाइलों में दब जाता है।

सुशासन तिहार-2026 : जिला बेमेतरा के ग्राम सेमरिया में समाधान शिविर आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 08 मई को जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत सेमरिया के शासकीय उच्च माध्य. शाला में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम मोहतरा कलस्टर में ग्राम कोदवा, सनकपाट, बहरबोड़, जांता, बेरा, बेतर, उमरिया, चिल्फी, बंधी, मुरकी, कुरदा, बटार, भंवरदा, हेमाबंद, रामपुर, सेमरिया, मरतरा, करचुवा, खाडसरा एवं बंशापुर ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

बरमकेला में सुशासन तिहार शिविर को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन, दो दिनों में 700 से अधिक आवेदन प्राप्त

रायपुर/मूक पत्रिका

प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री Vishnu Deo Sai के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार अभियान के अंतर्गत पूरे राज्य में 41 दिवसीय जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं को सीधे सुनना तथा उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। शासन की इस पहल को आम जनता का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और लोग बड़ी संख्या में शिविरों में पहुंचकर अपनी मांग एवं शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। इसी क्रम में नगर पंचायत बरमकेला में भी सुशासन तिहार शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक पहुंच रहे हैं। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आमजनों की समस्याएं सुन रहे हैं तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। नगर पंचायत क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग अपनी समस्याओं

एवं मांगों को लेकर शिविर में पहुंच रहे हैं। बरमकेला में आयोजित शिविर में अब तक दो दिनों के भीतर 700 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। प्राप्त आवेदनों में मूलभूत सुविधाओं, राजस्व प्रकरण, राशन कार्ड, पेंशन, विद्युत समस्या, स्वास्थ्य सुविधा, आवास योजना, मजदूरी भुगतान, सामाजिक सुरक्षा योजना तथा विभिन्न प्रमाण पत्रों से संबंधित मांगें प्रमुख रूप से शामिल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि आम जनता शासन की इस पहल को गंभीरता से लेते हुए अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद के साथ शिविरों में पहुंच रही है। दिनांक 06 मई 2026 की स्थिति अनुसार नगर पंचायत बरमकेला में कुल 261 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 245 मांग संबंधी तथा 16 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल हैं। विभागवार प्राप्त आवेदनों में नगर पंचायत विभाग में सबसे अधिक आवेदन दर्ज किए गए। नगर पंचायत से संबंधित कुल 145 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 141 मांग एवं 4 शिकायत आवेदन शामिल रहे। इन आवेदनों में साफ-सफाई, नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित मांगें प्रमुख रहीं। राजस्व विभाग में कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 41 मांग एवं 2 शिकायत आवेदन शामिल हैं। इनमें सीमांकन, नामांतरण, भूमि संबंधी दस्तावेज, पट्टा तथा अन्य राजस्व मामलों से संबंधित आवेदन प्रमुख रूप से प्राप्त हुए। महिला एवं बाल विकास विभाग में कुल 24 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 23 मांग एवं 1 शिकायत आवेदन शामिल रहा। इन आवेदनों में पोषण आहार, आंगनबाड़ी सुविधा, मातृत्व सहायता एवं महिला कल्याण योजनाओं से जुड़े मामले सामने आए। खाद्य विभाग में 12 मांग संबंधी आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें राशन कार्ड, नाम जोड़ने एवं खाद्यान्न वितरण से संबंधित समस्याएं प्रमुख रहीं। समाज कल्याण विभाग में कुल 8 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 5 मांग एवं 3 शिकायत आवेदन शामिल हैं। इनमें वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इसी प्रकार श्रम विभाग में 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 8 मांग एवं 2 शिकायत आवेदन शामिल रहे। श्रमिक पंजीयन, श्रम कार्ड, श्रमिक सहायता योजनाओं एवं मजदूरी भुगतान से जुड़े आवेदन विभाग को प्राप्त हुए। विद्युत विभाग में कुल 5 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 3 मांग एवं 2 शिकायत आवेदन शामिल हैं। इनमें विद्युत बिल, ट्रांसफार्मर समस्या, लाइन विस्तार एवं लो-वोल्टेज से संबंधित समस्याएं प्रमुख रहीं। अन्य विभागों में भी कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 12 मांग एवं 2 शिकायत आवेदन शामिल हैं। वहीं भूमि विभाग में इस दिन कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजते हुए उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए हैं।वहीं दिनांक 07 मई 2026 को भी सुशासन तिहार शिविर में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दिन कुल मिलाकर 450 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें विभिन्न विभागों से संबंधित मांग एवं शिकायतें शामिल रहीं। प्राप्त आवेदनों में नगर पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य, खाद्य, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, श्रम, विद्युत, शिक्षा तथा अन्य विभागों से जुड़े आवेदन प्रमुख रूप से शामिल रहे। लोगों ने पेयजल, सड़क, राशन कार्ड, पेंशन, बिजली समस्या, आवास योजना, श्रमिक पंजीयन एवं अन्य जनसमस्याओं को लेकर आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में पहुंचे नागरिकों ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पहले छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब एक ही स्थान पर सभी विभागों के अधिकारी उपलब्ध होने से काफी सुविधा मिल रही है। लोगों ने उम्मीद जताई कि प्राप्त आवेदनों का जल्द निराकरण होगा और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचेगा।प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सुशासन तिहार का उद्देश्य केवल आवेदन लेना नहीं, बल्कि समयबद्ध तरीके से समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। इसके लिए संबंधित विभागों को गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आम जनता को वास्तविक राहत मिल सके।

खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने जन समस्या निवारण शिविर में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

सुशासन तिहार 2026 : मोहतरा समाधान शिविर में 834 आवेदन प्राप्त, 246 मामलों का मौके पर निराकरण

मोहतरा के माध्यमिक शाला परिसर में लगा समाधान शिविर, मौके पर ही हुआ समस्याओं का निराकरणं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत नवागढ़ की ग्राम पंचायत मोहतरा के माध्यमिक शाला परिसर में बीते गुरुवार को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं एवं मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न

योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस दौरान एसडीएम दिव्या पोटाई, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे और अपने-अपने विभागीय स्टॉलों में आम नागरिकों की समस्याएं सुनते रहे।

राम जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना एवं पौधरोपण- खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने शिविर प्रारंभ होने से पूर्व मोहतरा स्थित राम जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात उन्होंने परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन- महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री बघेल ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराई तथा छोटे बच्चों का अन्नप्राशन कराया। इस दौरान महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और देखभाल से संबंधित योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

मोहतरा समाधान शिविर में 834 आवेदन प्राप्त, 246 मामलों का मौके पर निराकरण- सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम मोहतरा क्लस्टर में आयोजित समाधान शिविर में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर शासन-प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं एवं मांगें रखीं। हाई स्कूल मैदान मोहतरा में आयोजित शिविर में कुल 834 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 814 मांग संबंधी तथा 20 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल रहे। प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए शिविर स्थल पर ही 246 आवेदनों का निराकरण किया गया, जिनमें 242 मांग एवं 4 शिकायत संबंधी प्रकरण शामिल हैं। वहीं शेष 588 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं, जिनमें 572 मांग एवं 16 शिकायत संबंधी आवेदन शामिल हैं। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान की दिशा में कार्रवाई की गई। ग्रामीणों ने मौके पर समाधान मिलने पर शासन की पहल की सराहना की।

जनता से सीधा संवाद, आवेदन देने के लिए किया प्रेरित- मंत्री श्री बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को अपनी समस्याएं एवं मांगें लिखित आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने कहा कि जब नागरिक जागरूक होकर अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाएंगे, तभी उनका त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविरों के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं का सत्यापन एवं निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के निर्देश- प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर त्वरित और प्रभावी कार्य सुनिश्चित करें।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जन समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें।

सरकार की योजनाओं की दी जानकारी- अपने उद्बोधन में मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और गरीब वर्ग के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजना की गड़बड़ियों को दूर कर प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश में 18 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को पक्का मकान उपलब्ध हो सके। किसानों को धान का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। मंत्री श्री बघेल ने महतारी वंदन योजना, आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक मुफ्त इलाज, राशन कार्ड निर्माण, तीन महीने का चावल एक साथ वितरण तथा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने नवागढ़ में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल निर्माण एवं महतारी सदन की स्वीकृति का भी उल्लेख किया।

ऑपरेशन आघात के तहत लगातार दूसरे दिन गांजा तस्करों पर रायगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1 लाख 81 हजार का गांजा जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

मूक पत्रिका/रायगढ़= वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे ÷ऑपरेशन आघात÷ के तहत लगातार दूसरे दिन रायगढ़ जिले में अवैध मादक पदार्थ गांजा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। पिछले दिनों पुसौर क्षेत्र अंतर्गत गांजे की खेप पकड़ी गई थी । कल थाना साइबर और थाना चक्रधरनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने उड़ीसा से रायगढ़ गांजा की खेप लेकर आ रहे तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया है।

पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि उड़ीसा की ओर से एक नीले रंग की ॥द्धह्ण्थ ष्ठद्दह्यह्लद्वठ्ठद्ब क्कद्धद्दद्द स्न्थ्शह्लद्दह् स्कूटी में तीन व्यक्ति अवैध रूप से गांजा लेकर रायगढ़ की ओर आ रहे हैं। सूचना पर थाना साइबर प्रभारी निरीक्षक श्री विजय चेलक के नेतृत्व में थाना साइबर और थाना चक्रधरनगर की पुलिस टीम द्वारा ग्राम सम्बलपुरी मेन रोड पर नाकेबंदी की गई। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए अनुसार एक नीले रंग की स्कूटी आती दिखाई दी, जिसे रोककर तीनों संदेहियों से पूछताछ की गई। आरोपियों ने अपने नाम विजय एक्का, हेमसागर यादव एवं परमेश्वर यादव बताए।

विधिवत तलाशी लेने पर आरोपी हेमसागर यादव के कब्जे में रखे दो बोरों से अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। गवाहों की उपस्थिति में बरामदगी पंचनामा तैयार कर मादक पदार्थ का वजन कराया गया, जिसमें दो बोरी में कुल 18 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब ?1,81,000 आंकी गई। पूछताछ में आरोपियों ने उड़ीसा से गांजा लाकर रायगढ़ में बिक्री करना स्वीकार किया। कार्रवाई के दौरान गांजा के अलावा आरोपी हेमसागर यादव के कब्जे से ड्डद्ब1श ड्ड100 स्द्वड्डह्लश्चद्धशठ्ठ मोबाइल फोन तथा गांजा परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी को जब्त किया गया। कुल जब्त संपत्ति की कीमत लगभग ?2,11,000 है।

आरोपियों विजय एक्का पिता स्व. बेहानू एक्का उम्र 34 वर्ष निवासी नारायणपुर मुड़ापारा थाना लैलूंगा जिला रायगढ़, हेमसागर यादव पिता उदयराम यादव उम्र 43 वर्ष निवासी नारायणपुर मुड़ापारा थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ तथा परमेश्वर यादव पिता स्व. महेश्वर यादव उम्र 45 वर्ष निवासी फरसाटोली थाना बागबहार जिला जशपुर के विरुद्ध थाना चक्रधरनगर में धारा 20, 29 हष्ठक्क,ष्ह्ल के तहत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार किया गया है।

गांजा रेड कार्यवाही में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय चेलक, एएसआई नंद कुमार सारथी, प्रधान आरक्षक बृजलाल गुर्जर, दुर्गेश सिंह, आरक्षक धनंजय कश्यप, महेश पण्डा, प्रशांत पण्डा, जगमोहन ओग्रे, नवीन शुक्ला, मनोज पटनायक, गोविंद पटेल, रोशन एक्का थाना चक्रधरनगर के उप निरीक्षक गेंदलाल साहू, सहायक उप निरीक्षक आशिक रात्रे, आरक्षक चन्द्र कुमारे बंजारे की अहम भूमिका रही है ।

एसएसपी शशि मोहन सिंह का सख्त संदेश-रायगढ़ जिले में नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, ऐसे अवैध कार्यों में लिप्त व्यक्ति अवैध कारोबार छोड़ समाज की मुख्य धारा से जुड़कर जीवन यापन करें।÷

नियमों के उल्लंघन पर की गई कार्रवाई, प्रशासन की सख्ती जारी

रजा मेडिकल, बालाजी मेडिकल, पटेल मेडिकल, शैल मेडिकोज, गर्ग मेडिकल और सिद्धी विनायक मेडिकल पर प्रशासनिक टीम का टूटा कहर

मूक पत्रिका/रायगढ़ =खाद्य और औषधि प्रशासन विभाग द्वारा ÷सही दवा-शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार÷ अभियान के अंतर्गत जिले में औषधि दुकानों की सघन जांच की गई। इस दौरान विभिन्न मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण कर दवाओं के भंडारण, बिक्री एवं गुणवत्ता संबंधी मानकों की बारीकी से जांच की गई। अभियान के तहत रजा मेडिकल-2 जूटमिल, बालाजी मेडिकल स्टोर, श्री पटेल मेडिकल स्टोर, शैल मेडिकोज, गर्ग मेडिकल एवं सिद्धी विनायक मेडिकल स्टोर कुल 6 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

जांच के दौरान अधिकारियों ने औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 तथा नियमावली 1945 के प्रावधानों के तहत दुकानों के संचालन की स्थिति का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संदिग्ध दवाओं के क्रय-विक्रय, भंडारण व्यवस्था एवं दस्तावेजों की जांच की गई। आवश्यकतानुसार नमूने लेकर परीक्षण हेतु भेजे गए तथा संबंधित प्रतिष्ठानों को नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए।

सहायक औषधि नियंत्रक ने बताया कि आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए नियमित रूप से जांच अभियान चलाए जा रहे हैं और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे केवल लाइसेंसधारी मेडिकल स्टोर्स से ही दवाएं खरीदें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तत्काल विभाग को दें।

स्थानांतरण में रवानगी के पूर्व कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने आशा निकेतन के वृद्धजनों से किया भेंट

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़, 7 मई 2026/ कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे गुरुवार दोपहर 1 बजे सारंगढ़ के आशा निकेतन वृद्ध आश्रम पहुंचे और वहां वृद्ध जनों से सौजन्य मुलाक़ात कर उनके साथ स्थानांतरण में जाने के पूर्व उनके साथ समय व्यतीत किया। कलेक्टर ने सभी वृद्ध जनों को फल भेंट किया और आशीर्वाद लिया। इस दौरान कलेक्टर भावुक हुए।

इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण विनय तिवारी, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, पशु चिकित्सक डॉ रामभूषण तिवारी, समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल ने कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के द्वारा सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में किए गए कार्यों का बखान करते हुए कलेक्टर के कार्यप्रणाली की सराहना की। इसमें वृद्ध आश्रम आशा निकेतन की शुरुआत से अब तक बहुत अच्छे से संचालित भी शामिल है।

सारंगढ़ कोतवाली में नई सख्तीः प्रमोद यादव ने संभाला प्रभार, अपराधियों को खुली चेतावनी, एन एल राठिया को सरिया का प्रभार..

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// जिले की पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हुए फेरबदल के बाद प्रमोद कुमार यादव ने कोतवाली थाना प्रभारी का पदभार संभाल लिया है। पूर्व प्रभारी कामिल हक के बिलासपुर स्थानांतरण के बाद यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है। वहीं सरिया थाना का नया प्रभार एन एल राठिया को दिया गया है। नई पोस्टिंग के साथ ही शहर में कानून व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें भी बढ़ गई हैं।

सरिया में दिखा चुके हैं कड़ा एक्शन- प्रमोद यादव इससे पहले सरिया थाना प्रभारी के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। ओडिशा सीमा से लगे इस क्षेत्र में उन्होंने गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क पर कार्रवाई की और अवैध शराब के कारोबार पर भी सख्त लगाम लगाई। लगातार एक्शन के कारण वे अपराधियों के लिए सख्त अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं। इन्हीं सब रिकॉर्ड को देखते हुए शहर की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी उन्हें दी गई है।

प्रभार लेते ही सख्त संदेश- कोतवाली का जिम्मा संभालते ही प्रमोद यादव ने साफ कर दिया कि उनकी प्राथमिकता अपराध मुक्त क्षेत्र बनाना है। उनका कहना है

कि अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। आम लोगों के लिए थाना हमेशा खुला रहेगा, लेकिन अपराध करने वालों पर सख्त कार्रवाई तय है।

शहरवासियों में बढ़ी उम्मीद- प्रमोद यादव की तैनाती से स्थानीय लोगों में सकारात्मक माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि उनकी सक्रिय कार्यशैली से चोरी, जुआ-सट्टा और नशे जैसे मामलों पर तेजी से नियंत्रण होगा। माना जा रहा है कि आने वाले समय में शहर की पुलिसिंग और अधिक सख्त और प्रभावी नजर आएगी।

आईएएस पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्टर सारंगढ़ बिलाईगढ़ का पदभार ग्रहण की

मूक पत्रिका/.सारंगढ़ बिलाईगढ़, 7 मई 2026/ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2016 बैच की आईएएस पद्मिनी भोई साहू ने गुरुवार को कलेक्टर सारंगढ़ बिलाईगढ़ का पदभार ग्रहण की और वित्तीय प्रभार से जुड़े रजिस्टर में हस्ताक्षर की। वे इसके पूर्व संचालक कोष एवं लेखा, संचालक पेंशन एवं पंजीयक, फर्म एवं संस्थाएं के पद पर कार्यरत थीं। इस दौरान जिले के अधिकारीगण, सीईओ जिला पंचायत, डिप्टी कलेक्टर आदि उपस्थित थे।

'सहजपाली पंचायत में फिर उठा भ्रष्टाचार का बवंडरः धारा 40(ग) के तहत दूसरी शिकायत ने पहली जांच पर खड़े किए सवाल'

मूक पत्रिका/बरमकेला / सारंगढ़-बिलाईगढ़। जनपद पंचायत बरमकेला अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजपाली एक बार फिर गंभीर आरोपों और विवादों के केंद्र में आ गई है। पंचायत में कथित वित्तीय अनियमितताओं और रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोपों को लेकर पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(ग) के तहत दूसरी बार शिकायत दर्ज कराई गई है। इस दूसरी शिकायत ने न केवल पंचायत प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पहली जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता को भी कटघरे में ला खड़ा किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बरमकेला को सौंपे गए आवेदन में ग्राम पंचायत शाहजपाली की वर्तमान सरपंच श्रीमती सत्या इजारदार एवं सचिव पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि पंचायत के विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं में नियमों की

अनदेखी कर सरपंच के परिजनों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पंचायत निधि से संबंधित विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों में सरपंच के पति को ÷फर्जी वेंडर÷ के रूप में दर्शाकर भुगतान किए जाने का मामला सामने आया है।

शिकायत में यह दावा किया गया है कि पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने पद और अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए शासकीय राशि का लाभ निजी संबंधियों तक पहुंचाया, जो पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 40(ग) तथा धारा 92 का सीधा उल्लंघन माना जा सकता है। आवेदन में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(1)(ख) का भी उल्लेख किया गया है, जिसके अंतर्गत लोक सेवक द्वारा पद का दुरुपयोग कर स्वयं अथवा रिश्तेदारों को अनुचित लाभ पहुंचाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

सबसे बड़ा सवाल अब पहली शिकायत और उसकी जांच को लेकर उठ रहा है। स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि पहली शिकायत पर निष्पक्ष, पारदर्शी और ठोस जांच हुई होती, तो दूसरी बार उसी प्रकार के आरोपों के साथ नया आवेदन सामने नहीं आता। ग्रामीणों और जनचर्चाओं में यह बात लगातार कही जा रही है कि पिछली जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई और वास्तविक तथ्यों को सामने लाने के बजाय मामले को दबाने का प्रयास किया गया।

कई ग्रामीणों का मानना है कि पहली जांच की प्रक्रिया शुरू से ही संदिग्ध नजर आ रही थी। आरोप है कि जांच टीम ने गंभीर बिंदुओं की गहराई से पड़ताल करने के बजाय सतही तरीके से कार्रवाई कर मामले को शांत करने का प्रयास किया। अब जब दूसरी बार विस्तृत शिकायत सामने आई है, तो यह पहली जांच की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है। पंचायत क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि आखिर किन परिस्थितियों में और किस दबाव में पहली शिकायत को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की गई।

दूसरी शिकायत में पंचायत के वर्ष 2020 से 2026 तक के कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों, भुगतान, वेंडर सूची, बिल-वाउचर तथा अन्य अभिलेखों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने यह भी मांग की है कि जिन लोगों को नियम विरुद्ध आर्थिक लाभ पहुंचाया गया है, उनसे राशि की वसूली की जाए तथा दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो।

अब निगाहें जनपद पंचायत बरमकेला और जांच टीम पर टिकी हुई हैं। लोग यह जानना चाहते हैं कि इस बार जांच वास्तव में निष्पक्ष होगी या फिर पिछली बार की तरह केवल कागजी खानापूर्ति कर मामले को दबाने का प्रयास किया जाएगा। पंचायत क्षेत्र में यह चर्चा भी जोरों पर है कि यदि दूसरी शिकायत के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो पूरे जांच तंत्र की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठेंगे। राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में यह मामला अब तेजी से चर्चा का विषय बन चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत जनता के विकास और पारदर्शी शासन के लिए बनाई गई व्यवस्था है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था में भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोप लगने लगें, तो आम जनता का विश्वास कमजोर होना स्वाभाविक है।

सुशासन तिहार : झगरपुर शिविर में महिला समूहों के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

सरकारी योजनाओं से सशक्त हो रहीं महिलाएं

मूक पत्रिका/ रायगढ़/ लैलूंगा=सुशासन तिहार के अंतर्गत लैलूंगा विकासखंड के ग्राम झगरपुर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर केवल समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह महिलाओं की आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण का एक प्रभावी मंच बनकर उभरा। शिविर में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे, जहां स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों ने बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया। आस्था स्व-सहायता समूह भेड़ीमुड़ा द्वारा तैयार आम का अचार, ज्योति स्व-सहायता समूह द्वारा मिक्चर तथा सलोनी एवं रोशनी स्व-सहायता समूह ग्राम पंचायत रेगड़ी द्वारा हल्दी, शुद्ध घी एवं बांस की टोकरी जैसे उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। इन उत्पादों की गुणवत्ता और

स्थानीय पहचान ने लोगों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जिससे महिला समूहों को आय अर्जन का सशक्त माध्यम प्राप्त हुआ।

शिविर के दौरान आजीविका गतिविधियों से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं को सम्मान पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिली। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं को महतारी वंदन योजना, बिहान योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। इन योजनाओं से प्रेरित होकर महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं और अपने परिवार के साथ-साथ समाज में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशा अनुरूप कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का विकास

हरदी सारंगढ़ दानसरा बायपास और भारत माता चौक से तहसील कार्यालय तक सड़क निर्माण

सारंगढ़ में खेलभांठा मैदान, लोहारीन डबरी रेंजरपारा पुलिया का जीर्णोद्धार

टैक्सी स्टैंड, फल दुकानों और चौपाटी का व्यवस्थापन

सारंगढ़ में यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण, निशुल्क कोचिंग और वृद्धाश्रम का प्रारम्भ

मूक पत्रिका/सारंगढ़ बिलाईगढ़ 7 मई 2026/ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशा अनुरूप सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के विकास के लिए सुशासन के 2 वर्षों के कार्यों को धरातल में पूरा करने का कार्य 1 साल में कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के नेतृत्व में किया गया, जिससे सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले ने अपनी नई पहचान बनाने में कामयाबी हासिल की है। वृद्धजनों के लिए सारंगढ़ में आशा निकेतन वृद्धाश्रम और युवाओं के कैरियर के लिए व्यापम की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निशुल्क कोचिंग की जा रही है।

सारंगढ़ से हरदी और दानसरा बायपास का नेशनल हाइवे का नया सड़क का अंतिम डामरीकरण हो गया है। इस दौरान जल जीवन मिशन का नाली निर्माण, वन विभाग द्वारा पेड़ कटाई, नगरपालिका सारंगढ़ का पाईप मरम्मत सहित विद्युत खम्भो और ट्रांसफार्मर का व्यवस्थापन शामिल था। दानसरा में अवैध कब्ज़ा को हटाया गया है। जिला चिकित्सालय में डॉक्टरों की व्यवस्था जैसे सिविल सर्जन, शिशु रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ सहित प्रति बुधवार को मेडिकल बोर्ड बैठने की सुविधा सहित कई प्रकार के निशुल्क जांच और डायलीसिस सुविधा उपलब्ध है।

जिला मुख्यालय सारंगढ़ के किसी भी बड़े आयोजन और खिलाड़ियों के लिए एक मात्र स्थान खेलभांठा मैदान है, जिसमें राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त और 26 जनवरी के मुख्य समारोह निश्चित है, जो खुला था। खिलाड़ियों को इससे परेशानी होती थी। इन सभी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने 2 दिशा में लोहे की जाली और गेट लगवाया। स्टेज का निर्माण भी पूरा हो गया है जिससे बरसात के दिनों में भी पंडाल की जरूरत नहीं होगी।

सारंगढ़ के लोहारिन डबरी के मेन रोड में दीवाल और विद्युत व्यवस्था का कार्य पूर्ण है। इससे दुर्घटना में कमी और तालाब को सुंदरता मिली है। कलेक्टर डॉ कन्नौजे के निर्देश पर नेशनल हाइवे ने पुलिया के दोनों ओर धातु का बेरीकेटिंग लगाया है, वहीं नगरपालिका द्वारा स्ट्रीट लाईट की व्यवस्था किया गया है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला मुख्यालय के भारत माता चौक से तहसील कार्यालय तक के ख़राब सड़क को नया सड़क बनाने का कार्य नगरपालिका को अल्टीमेटम देकर पूरा कराया।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे के निर्देश पर एसडीएम और नगरपालिका की टीम ने सभी ठेलों और गुमठी संचालकों को गायत्री मंदिर रोड से हटाकर एसबीआई बैंक के सामने खाली प्लाट पर व्यवस्थापन कराया, जो आज भी सुव्यवस्थित चल रहा है।

सारंगढ़ बस स्टैंड से सरसीवा और कोसीर के लिए टैक्सी स्टैंड सूरज होटल और पेट्रोल पम्प के सामने फल दुकाने होने से प्रतिदिन हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी होती थी, जिसे पुराना नगरपालिका भवन के प्लाट में अस्थाई संचालन करने के लिए दिया गया है। इसी प्रकार यहां नगरपालिका भवन के सामने फल दुकानों को मेन रोड से पीछे किया गया ताकि रोड से आवागमन में बाधा उत्पन्न नहीं हो।

सारंगढ़ बस स्टैंड के पास यात्री प्रतीक्षालय की कमी को देखते हुए 2 यात्री प्रतीक्षालय अब बन गया है, जिससे यात्रियों को रायपुर और बिलासपुर, रायगढ़ की ओर जाने वाले गेट के पास बैठने के लिए एक निश्चित स्थान मिला है।

खरसिया नगर पालिका में भ्रष्टाचार चरम पर

15 मिनट की बारिश में ढही डेढ़ करोड़ की नाली

मूक पत्रिका/रायगढ़= खरसिया नगर पालिका और भ्रष्टाचार का चोलीदामन का साथ है। कोई भी पार्टी काबिज हो, भ्रष्टाचार कम नहीं होता। अब डेढ़ करोड़ की लागत से बन रही नाली का घटिया निर्माण सामने आया है। महज 15 मिनट की बारिश में नाली ढह गई है। स्थानीय लोगों ने जांच करते हुए ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग की है। वर्ष 2024 में खरसिया नगरपालिका क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण नालियों के निर्माण की मंजूरी दी गई थी। बस स्टैण्ड से बंधवा ताला तक नाला निर्माण के लिए 1.52 करोड़ और राठौर चौक से महात्मा गांधी चौक तक नाला निर्माण के लिए 1.33 करोड़ की मंजूरी दी गई थी।

वर्तमान में इसका काम चल रहा है। इसका ठेका संतोष एंड सन्स को मिला है। मंगलवार को थोड़ी देर की बारिश में नाली ढह गई। करीब 200 मीटर नाली की दीवार धसक गई है। इसमें सरिया मानकों के अनुसार नहीं डाला गया था। इसके बिना ही नाली का निर्माण कर लिया गया इसलिए नहीं टिक सकी। मूसलाधार बरसात में इसका क्या हाल होता। सोनू अग्रवाल महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और राजेश्वर राठौर ने नाली निर्माण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

गुणवत्ताहीन निर्माण करने वाले ठेकेदार और प्रमाणित करने वाले सब इंजीनियर पर भी सवाल उठ रहे हैं। घटिया काम करेने के बावजूद नगर पालिका से भुगतान किया जाता रहा। 23 फरवरी 2026 को मोहल्लेवासियों ने नाला निर्माण में भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत की थी। इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, उल्टा ठेकेदार को भुगतान किया गया। थोड़ी सी बारिश में नाली का धसक जाना गुणवत्ताहीन निर्माण को प्रमाणित करता है। संतोष एंड सन्स कंपनी को संरक्षण देने पर भी सवाल उठ रहे हैं।

घटिया कामों से कैसे होगा विकास– खरसिया नगर पालिका में हमेशा ही गुणवत्ताहीन काम और मनमानी चरम पर रही है। नियम विरुद्ध कार्य करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। इस पर प्रशासन का ध्यान नहीं है। विकास कार्यों के लिए मिली राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है। तकनीकी रूप से नाला की दीवार में सरिया लगाने के लिए दूरी फिक्स है। इसका पालन नहीं किया गया।

सारंगढ़ नगर पालिका में जाबो अभियान के तहत मतदाता जागरूकता तेज

मूक पत्रिका/सारंगढ़। आगामी समय में होने वाले वार्ड पार्षद चुनाव को लेकर नगर पालिका क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। ÷जाबो÷ अभियान के तहत कलेक्टर संजय कन्नौजे के निर्देशन में नगरपालिका सारंगढ़ के सीएमओ कुलमित्र द्वारा विभिन्न माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत वार्डों में पोस्टर, बैनर और अन्य प्रचार-प्रसार सामग्री के माध्यम से मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक किया जा रहा है। लोगों को बताया जा रहा है कि लोकतंत्र में मतदान का विशेष महत्व है और हर नागरिक को अपने वोट का उपयोग अवश्य करना चाहिए।

अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। विभिन्न वार्डों में जागरूकता रैलियां, संवाद कार्यक्रम और जनसंपर्क के जरिए लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

नगरपालिका प्रशासन का उद्देश्य है कि आगामी चुनाव में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। इस पहल को लेकर शहर में सकारात्मक माहौल बन रहा है और नागरिक भी बढ़-चढ़कर इसमें सहभागिता निभा रहे हैं।

बालपुर में साइबर ठगी से बचाव को लेकर पुलिस की जागरूकता पहल

मूक पत्रिका/बिलाईगढ़ :- ग्राम पंचायत बालपुर में आज सरसीवां पुलिस द्वारा साइबर ठगी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। यह कार्यक्रम बाजार चौक स्थित स्कूल के पास आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आजकल ठग नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं, खासकर मोबाइल फोन के जरिए।

पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपने मोबाइल का ह्रञ्जक्क (वन टाइम पासवर्ड) बिल्कुल साझा न करें। यदि कोई व्यक्ति फोन कॉल, मैसेज या किसी अन्य माध्यम से ह्रञ्जक्क मांगता है, तो यह निश्चित रूप से ठगी का प्रयास हो सकता है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी कि ह्रञ्जक्क साझा करने पर ठग आपके मोबाइल और बैंक अकाउंट तक पहुंच बना सकते हैं, जिससे आपके खाते से पैसे निकल सकते हैं। इसके अलावा, उन्होंने संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल और लॉटरी जैसे झांसे से भी सावधान रहने की सलाह दी।

पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की कि अगर किसी के साथ इस तरह की घटना होती है, तो तुरंत नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराएं।

इस जागरूकता अभियान के बाद ग्रामीणों में साइबर सुरक्षा को लेकर समझ बढ़ी और उन्होंने पुलिस की इस पहल की सराहना की।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में फिर बदला प्रशासनिक चेहराः कलेक्टर डॉ कन्नौजे की विदाई पर सवाल, पद्मिनी साहू से उम्मीदें..

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// नवगठित जिले में एक बार फिर कलेक्टर बदलने को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जिले के गठन को अभी चार साल भी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन इस दौरान कई बार कलेक्टर बदले जा चुके हैं। अब शासन ने नई जिम्मेदारी 2016 बैच की आईएएस अधिकारी पद्मिनी भोई साहू को सौंपी है, जो जिले की पांचवीं कलेक्टर होंगी। लगातार हो रहे इन बदलावों से लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि यह प्रशासनिक जरूरत है या फिर इसके पीछे कोई और वजह है।

डॉ. कन्नौजे के तबादले से बढ़ी चर्चा– डॉ. संजय कन्नौजे अपने सरल और जनता से जुड़े कामकाज के लिए जाने जाते थे। उनके कार्यकाल में कई विकास कार्यों को गति मिली थी और वे जनसुनवाई जैसे मुद्दों पर भी सक्रिय रहते थे। ऐसे में उनका अचानक तबादला लोगों को हैरान कर गया। अब स्थानीय स्तर पर यह चर्चा हो रही है कि कहीं राजनीतिक खींचतान तो इस फैसले की वजह नहीं बनी।

सरकार के दावे और जमीनी स्थिति– हाल ही में राज्य सरकार ने कुछ समय तक आदेश जारी करता हुए तबादले नहीं करने की बात कही थी, ताकि प्रशासन में स्थिरता बनी रहे। लेकिन इसके बावजूद कलेक्टर का बदलना लोगों के लिए सवाल खड़े कर रहा है। आम लोगों के बीच यह बात चर्चा में है कि जब तबादलों पर रोक की बात थी, तो यह फैसला क्यों लिया गया।

नई कलेक्टर से उम्मीदें– अब जिले की जिम्मेदारी पद्मिनी भोई साहू के हाथों में है। उनकी पढ़ाई विज्ञान और कानून दोनों क्षेत्रों से जुड़ी है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि वे प्रशासन को बेहतर तरीके से संभालेंगी। लोगों को भरोसा है कि वे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ जिले में स्थिरता भी लाने की कोशिश करेंगी।

सबसे बड़ी चुनौती.?– नया जिला होने के कारण यहां मजबूत प्रशासन की जरूरत है। बार-बार कलेक्टर बदलने से योजनाओं की रफ्तार धीमी हो जाती है और इसका असर सीधे आम जनता पर पड़ता है। अब सभी की नजर नई कलेक्टर पर है कि वे इन चुनौतियों से कैसे निपटती हैं और जिले को आगे बढ़ाती हैं।

अंतागढ़ में पुलिस का शक्ति प्रदर्शनः आपात स्थितियों से निपटने के लिए किया गया भव्य मॉकड्रिल

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर /कांकेरः- कांकेर अंतागढ़ कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से जिला पुलिस बल ने अंतागढ़ अनुभाग में व्यापक स्तर पर मॉकड्रिल (पूर्वाभ्यास) संपन्न किया। पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार रखेचा के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास का मुख्य लक्ष्य किसी भी आकस्मिक परिस्थिति, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए जवानों को प्रशिक्षित और तैयार करना था। आधुनिक उपकरणों के साथ परखी गई कार्यक्षमता

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतागढ़ आशीष बंछोर के मार्गदर्शन और अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) भानुप्रतापपुर शेर बहादुर सिंह व अंतागढ़ एसडीओपी शुभम तिवारी के पर्यवेक्षण में यह अभ्यास किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने जवानों को आधुनिक दंगा नियंत्रण उपकरणों, बलवा रोधी सुरक्षा संसाधनों, बॉडी प्रोटेक्शन गियर, टीयर गैस और सुरक्षा घेराबंदी जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। जवानों को सिखाया गया कि कैसे कम से कम समय में त्वरित प्रतिक्रिया (त्त्ह्वद्बष्य ऋह्यश्चश्ठ्ठह्यद्ग) देते हुए कानून व्यवस्था को बहाल रखा जा सकता है।

ष्ठक्रत्र और ष्टस्न के जवानों ने भी दिखाया दम इस मॉकड्रिल में जिला पुलिस बल के साथ-साथ डीआरजी (ष्ठक्रत्र) टीम और सीएएफ (ष्टस्न) के जवानों ने भी संयुक्त रूप से हिस्सा लिया। अभ्यास के दौरान अंतागढ़, सिकोसोड़, कोयलीबेड़ा, आमाबेड़ा, ताड़ोकी और रावघाट थाना क्षेत्र के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। विभिन्न टीमों के बीच बेहतर समन्वय और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए अलग-अलग काल्पनिक परिस्थितियों (स्ष्द्गठ्ठड्डह्म्द्बश्ह्य) का निर्माण किया गया, जिस पर जवानों ने सफलता पूर्वक रिस्पॉन्स दिया।

प्रमुख बिंदुओं पर केंद्रित रहा अभ्यासः

कानून व्यवस्था बिगड़ने पर त्वरित प्रतिक्रिया।

भीड़ नियंत्रण एवं संवेदनशील हालातों से निपटने की रणनीति ।

आपातकालीन स्थितियों में विभिन्न टीमों के बीच समन्वय।

सुरक्षा घेराबंदी और संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाना। संचार व्यवस्था को मजबूत करना।

सतर्कता और अनुशासन का संदेश पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक परिस्थिति में प्रभावी ढंग से कार्यवाही करने के लिए हमेशा तैयार रहें। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से न केवल पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ती है, बल्कि आम जनता को भी एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण वातावरण का विश्वास मिलता है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस हेल्पलाइन नंबर 94791-55125 पर दें।

बंगाल, असम और पुडुचेरी बीजेपी ने की बडी जीत हासिल, पवनी में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

मूक पत्रिका/बिलाईगढ़। 04 मई 2026 को घोषित विधानसभा चुनाव परिणामों (विशेषकर पश्चिम बंगाल और असम) में भारतीय जनता पार्टी (क्चछ्वक्) ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। और बड़ी जीत हासिल की बता दे कि पश्चिम बंगाल (ङ्खद्गह्यह्ल क्चद्गठ्ठद्दड्डद्य) बीजेपी ने प्रचंड जीत हासिल की है और 294 सीटों में से 206 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की। वही असम (्रह्यह्यड्डद्व): बीजेपी ने लगातार तीसरी बार बहुमत के साथ वापसी की है। जहां बीजेपी गठबंधन ने 126 में से 99 सीटों पर जीत दर्ज की। इसी प्रकार पुडुचेरी में भी बीजेपी समर्थित ह्रष्ठ ने जीत दर्ज की। चुनाव के रिजल्ट आते की सोमवार को रात को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने युवा मोर्चा के महामंत्री धनेश्वर साहू और नगर पंचायत पवनी के पार्षद करन साहू के नेतृत्व में बस स्टैंड के पास पटाखा फोड़कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।पार्षद करन साहू ने कहा कि भाजपा की ऐतिहासिक जीत और 15 साल के टीएमसी शासन का अंत हुआ है इस जीत को लेकर आगे कहा गया कि यह 'मोदी मैजिक' और 'जनता का विश्वास' की जीत है आगे कहा कि इस जीत में छत्तीसगढ़ से गए नेताओं की रणनीतिक भूमिका भी अति सराहनीय है। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 04 के पार्षद नंदलाल साहू, वार्ड क्रमांक 11 से राजेश चौहान और युवा मोर्चा के महामंत्री धनेश्वर साहू, उपाध्यक्ष पंकज दास, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता यज्ञ कुमार, मीडिया प्रभारी रोशन दास, सतीश साहू, जयंत साहू, राजकमल यादव, देवराज साहू, ललित साहू, छोटू साहू एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे ।

विभाग की बेरुखी, 96 घंटों से बिजली गुल, मोबाइल नेटवर्क भी ठप

चारामा में सिस्टम 'फेल' : 4 दिनों से अंधेरे में ग्रामीण, जनरेटर के भरोसे प्यास बुझाने की मजबूरी; क्या सो रहा है बिजली विभाग ?

दैनिक मूक पत्रिका/ विक्रम ठाकुर/ कांकेर :- कांकेर जिले के चारामा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले चार दिनों से कुदरत का कहर और विभाग की लापरवाही ने जनजीवन को पूरी तरह पटरी से उतार दिया है। आंधी-तूफान और बेमौसम बारिश ने ऐसी तबाही मचाई है कि आधा दर्जन से अधिक गांव पिछले 96 घंटों से अंधेरे में डूबे हुए हैं। विडंबना देखिए कि भीषण गर्मी के इस मौसम में जब पंखे-कूलर की सख्त जरूरत है, तब ग्रामीण जनरेटर किराए पर लेकर पानी पीने और नहाने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार बिजली विभाग गहरी नींद में सोया हुआ है। खेतों में तबाहीः किसानों की मेहनत पर फिरा पानी इस प्राकृतिक आपदा ने केवल बिजली ही नहीं छीनी, बल्कि अन्नदाताओं की कमर भी तोड़ दी है। अचानक आए आंधी-तूफान के कारण खेतों में खड़ी धान की फसलें पूरी तरह बिछ गई हैं। किसानों का कहना है कि उनकी तैयार फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। चारामा क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए यह बारिश राहत के बजाय 'आफत' बनकर बरसी है। चारभाटा में गिरे बिजली पोल, ठप पड़ा है मोबाइल नेटवर्क हालात की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चारभाटा गांव के पास सड़क किनारे बिजली के खंभे उखड़कर गिर चुके हैं और तार जमीन पर पड़े हैं। बिजली गुल होने के साथ-साथ इलाके का मोबाइल नेटवर्क भी पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है, जिससे ग्रामीण बाहरी दुनिया से कट गए हैं। पीने के साफ पानी की समस्या इतनी विकराल हो गई है कि ग्रामीणों को निजी खर्च पर जनरेटर मंगवाकर पंप चालू करवाने पड़ रहे हैं। रोजगार पर भी पड़ा तालाः ऑटो चालकों का धंधा चौपट

बिजली संकट का असर अब स्थानीय रोजगार पर भी दिखने लगा है। सड़क से गुजर रहे एक ई-रिक्शा (बैटरी ऑटो) चालक ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि बिजली न होने के कारण उसका धंधा पूरी तरह ठप हो गया है। ऑटो चार्ज करने के लिए उसे मीलों दूर चारामा मुख्यालय जाना पड़ रहा है। ग्रामीण साफ तौर पर बिजली विभाग को इस चरमराई व्यवस्था का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। विभाग की चुप्पी पर उठ रहे सवाल तीन से चार दिन बीत जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा सुधार कार्य में तेजी न दिखाना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और उनका कहना है कि अगर जल्द ही व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई और गिरे हुए पोल नहीं उठाए गए, तो वे उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। अब देखना यह है कि प्रशासन कब जागता है और इन अंधेरे गांवों में कब तक रोशनी लौटती है।

मारूड़बाका में पुलिस का सिविक एक्शन कार्यक्रम, ग्रामीणों से सीधे सुनी समस्याएं

चलित थाना लगाकर लोगों को योजनाओं और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बीजापुर/उसूर/मूक पत्रिका

उसूर थाना क्षेत्र के मारूड़बाका गांव में बुधवार को पुलिस प्रशासन ने सिविक एक्शन कार्यक्रम और चलित थाना का आयोजन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रविंद्र कुमार मीणा, एसडीओपी आवापल्ली तिलेश्वर प्रसाद यादव, थाना प्रभारी उसूर, थाना प्रभारी आवापल्ली सहित पुलिस बल के अधिकारी और जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया। इस दौरान ग्रामीणों को बताया गया कि पहले नक्सली गतिविधियों के कारण क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित रहे, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ गांवों तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में युवाओं को शिक्षा, खेल और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों से बच्चों को नियमित रूप से स्कूल और आंगनबाड़ी भेजने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ भोजन और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीणों को नक्सलवाद से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस या सुरक्षा बलों को देने की समझाइश भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित माओवादी अब सामान्य जीवन जी रहे हैं। सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत युवाओं को क्रिकेट, वॉलीबॉल और बैडमिंटन की खेल सामग्री और ड्रेस वितरित की गई। महिलाओं को साड़ी, बच्चों को लूडो और बुजुर्गों को चप्पल देकर सहयोग किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। समापन के दौरान करीब 300 से 400 ग्रामीणों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास जताते हुए क्षेत्र में शांति और विकास बनाए रखने में सहयोग का भरोसा दिलाया।

ग्रामीणों से सीधे संवाद कर सुनी समस्याएं

महिलाओं और बुजुर्गों को जरूरत का सामान दिया गया

300 से ज्यादा ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल हुए

पुलिस ने शांति और विकास के लिए सहयोग मांगा

डा भारत रत्न भीमराव अम्बेडकर जैयनति श्रद्धापूर्वक मनाई गई

छोटे देवड़ा/मूक पत्रिका

सरगीपाल मंडल, बस्तर ं आज सरगीपाल मंडल के ग्राम छोटे देवड़ा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया गया। जयंती कार्यक्रम के साथ ही ÷गांव-घर घर चलो अभियान÷ के तहत् भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्राम में सघन जनसंपर्क किया। ग्रामीणों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार के कार्यों एवं योजनाओं से वे बहुत खुश हैं। हाल ही में महिला मोर्चा सरगीपाल मंडल के खेमेश्वरी कश्यप को अध्यक्ष पद नया दायित्व मिलने पर पदाधिकारियों के साथ घर-घर जाकर महिलाओं एवं पुरुषों से भेंट कर उनका हाल-चाल जाना।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे: जिला से आए अनिमेष चौहान, जनपद सदस्य खेमेश्वरी कश्यप, पूर्व जनपद सदस्य भोलानाथ नाग, आदर्श ठाकुर, कुष्ठो राम बघेल, बैशाखु, उप सरपंच राहुल सोनवानी सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के टाप-टेन में मोना स्कूल बरमकेला के 8 बच्चो ने बनाई जगह, कलेक्टर ने किया सम्मानित

प्रदेश के टापटेन में 10वी में हेमंत पटेल ने बनाया स्थान

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के सीजी बोर्ड के 10वी और 12वी परीक्षा के टापटेन में स्थान बनाने वाले बच्चो को गत दिनो कलेक्टर डां.संजय कन्नौजे ने सम्मानित किया। इस सूची में जिले भर के विभिन्न स्कूलो के छात्र-छात्राओ ने अपना स्थान सुनिश्चित किया लेकिन मोना माडर्न स्कूल बरमकेला के 8 बच्चो ने जिले की टापटेन में स्थान बनाकर अपना लोहा मनवाया। मोना माडर्न स्कूल के ही छात्र हेमंत पटेल ने प्रदेश की मेरिट लिस्ट में 97.50 प्रतिशत अंको के साथ अपना स्थान बनाकर जिले सहित बरमकेला का नाम रोशन किया है। कलेक्टर डां.संजय कन्नौजे ने इस शानदार सफ्लता पर प्रतिभावान छात्र-छात्राओ को शुभकामनाएं प्रदान किया है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के प्रसिद्ध शिक्षण संस्था मोना माडर्न स्कूल बरमकेला के छात्र-छात्राओ ने शानदार सफ्लता प्राप्त किया है। संस्था के छात्र हेमंत पटेल ने इस वर्ष कक्षा 10वी में 97.50 फीसदी अंक प्राप्त करते हुए प्रदेश की मेरिट लिस्ट में 10वां स्थान तथा जिले मे पहला स्थान प्राप्त किया है। वही सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कक्षा 10वी में टापटेन में अपना स्थान सुनिश्चित करने वाले छात्र-छात्राओ में मोना माडर्न स्कूल बरमकेला से हेमंत पटेल 97.50 फीसदी अंक के साथ पहला, गोपी पटेल 96.83 प्रतिशत अंक के साथ 4था, लिसा पटेल 96 प्रतिशत अंक के साथ 7वां, मनीषा नायक 95.67 प्रतिशत अंको के साथ 9वां स्थान प्राप्त किये है। वही 12वी में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला में पूनम पटेल नें 95.40 प्रतिशत अंको के साथ जिले में 2रा स्थान, लक्ष्मी चौधरी ने 95.20 प्रतिशत अंको के साथ जिले में 3रा स्थान, लीना वर्मा और प्रेमसागर पटेल ने 94.60 फीसदी अंको के साथ संयुक्त रूप से 6वां स्थान प्राप्त किया।

नगर निगम आयुक्त विश्वदीप को भावभीनी विदाई, बीजापुर कलेक्टर के रूप में मिली नई जिम्मेदारी

गुढियारी आगजनी के समय विश्वदीप द्वारा किए राहत कार्य सराहनीय, राजधानी की जनता रखेगी याद - कलेक्टर डॉ सिंह

रायपुर/मूक पत्रिका

आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप को उनके नवीन दायित्व के लिए भावभीनी विदाई दी गई। श्री विश्वदीप को बीजापुर जिले में कलेक्टर के रूप में नई जिम्मेदारी मिली है। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी को सदैव जनता के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीजापुर जैसे जिले, जिसे अब भारत सरकार द्वारा नक्सलमुक्त घोषित किया गया है, वहां विकास और नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। आशा है की आप ऐसा कार्य करेंगे जिससे बीजापुर जिले को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। डॉ सिंह ने कहा कि एक कलेक्टर को परिस्थितियों के अनुरूप कार्य करना आना चाहिए। प्रशासनिक दायित्वों में कभी सौम्य व्यवहार की आवश्यकता होती है तो कभी कठोर निर्णय लेने की क्षमता भी जरूरी होती है।कलेक्टर डॉ. सिंह ने नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने लगभग 28 माह 3 दिन तक साथ कार्य किया, जिसमें अनेक जिम्मेदारियां शामिल रहीं। उन्होंने कहा कि श्री विश्वदीप की कार्यशैली सदैव जनहित और तत्परता से परिपूर्ण रही है। उन्होंने विशेष रूप से गुढियारी आगजनी की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस कठिन समय में श्री विश्वदीप ने अपनी जान की परवाह किए बिना अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर ऑयल से भरे टैंकर के ढक्कन हटाने का साहसिक कार्य किया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि आपके प्रशिक्षण का यह अंतिम दिन है और कल से आप कलेक्टर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। कलेक्टर डॉ सिंह ने विश्वास जताया कि श्री विश्वदीप को जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वहां कार्य करने की व्यापक संभावनाएं हैं और वे अपने अनुभव व क्षमता से इस दायित्व का सफ्लतापूर्वक निर्वहन करेंगे। निगम आयुक्त श्री विश्वदीप ने अपने उद्बोधन में कहा कि रायपुर में कार्य करने का अनुभव अद्भुत रहा। जिले में मुझे विभिन्न दायित्वों में कार्य करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला। रायपुर जिला पंचायत सीईओ तथा निगम आयुक्त के रूप में काम करने से सीखने का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ। लोकसभा, विधानसभा उपचुनाव, नगरीय निकाय चुनाव साथ ही एसआईआर के चुनौतीपूर्ण कार्य को पूरी टीम के साथ सफ्लतापूर्वक सम्पन्न किया। इसका पूरा श्रेय कलेक्टर डॉ सिंह और जिला एवं निगम टीम को जाता है। मैने यहां सीखा कि बड़े आयोजनों के समय किस प्रकार बिना दबाव में आए सफ्लतापूर्वक कार्य किया जाए। श्री विश्वदीप ने कहा की कलेक्टर डॉ सिंह और पूरे जिले के टीम के साथ बहुत से प्रोजेक्ट में कार्य किया है। निश्चित रूप से यह अनुभव बीजापुर में काम आएगा। मैं कलेक्टर डॉ सिंह तथा जिले के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार बिश्वरंजन सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

झुमका में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में शामिल होंगे प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा के मुख्य आतिथ्य में 8 मई को सुशासन तिहार शिविर बिलाईगढ़ ब्लॉक के बलौदी क्लस्टर के ग्राम पंचायत झुमका के स्कूल परिसर में अपरान्ह 3 से शाम 6 बजे तक आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्राम बछौरडीह, बम्हनपुरी, चकरदा, झुमका, कोदवा, मधाईभांठा, मोहतरा स, पिकरीपाली, सेन्दूरस, तिलाईपाली, बलौदी, बालपुर, जैतपुर, कोसमकुण्डा, कोट, ओडकाकन, पण्ड्रीपाली, पेण्ड्रावन, सरधाभांठा, टिहलीपाली अमोदी, चोरभट्ठी, मनपसार, मुड़पार शामिल हैं। इसमें जिले के नागरिक अपनी मांग, सुझाव और शिकायत प्रशासन को दे सकते हैं। सुशासन तिहार 10 जून 2026 के मध्य जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा।

नगरीय निकायों में 8 मई को सुशासन तिहार शिविर-जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ के वार्ड 8, 9,10,11,12,13 और 14 के लिए वार्ड 14 स्थित देवांगन समाज समलाई मंदिर के पास और बरमकेला के वार्ड 4 के लिए वार्ड 4 के चौपाल वार्ड चनामुड़ा बस्ती में आयोजित किया जाएगा।

कुदरी बैराज में मिला युवक का शव, शिवम साहू के रूप में हुई पहचान

रिजल्ट खराब आने के बाद बैराज में कूदने की जताई जा रही आशंका

चांपा/मूक पत्रिका

चांपा क्षेत्र के कुदरी बैराज में छलांग लगाने वाले युवक का शव गुरुवार सुबह बरामद कर लिया गया। युवक की पहचान शंकर नगर चांपा निवासी शिवम साहू (19 वर्ष) पिता संतोष साहू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक का शव सुबह करीब 5 बजे बैराज में पानी के ऊपर दिखाई दिया, जिसके बाद पुलिस एवं स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया।जानकारी के अनुसार दो दिन पहले मंगलवार शाम करीब 4 बजे एक ऑटो चालक ने सूचना दी थी कि एक युवक ने कुदरी बैराज के ऊपर अपना मोबाइल फोन फेंका और फिर नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही चांपा थाना पुलिस एवं गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और देर शाम तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया था।गुरुवार सुबह युवक का शव बैराज में उतराता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि युवक परीक्षा परिणाम को लेकर मानसिक तनाव में था। फ्लिहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा क्षेत्र में शोक का माहौल है।

सुशासन तिहार 2026 : ग्राम दर्री की श्रीमती आशा यदु को मिला राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा योजनाओं का मिलेगा लाभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत दर्री निवासी श्रीमती आशा यदु को समाधान शिविर में राशन कार्ड प्रदान किया गया। श्रीमती आशा यदु लंबे समय से राशन कार्ड बनवाने के लिए प्रयासरत थीं, लेकिन प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पाने के कारण उन्हें खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। सुशासन तिहार के तहत आयोजित समाधान शिविर में उन्होंने अपनी समस्या दर्ज कराई, जिस पर प्रशासन द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए उनका राशन कार्ड बनाकर उपलब्ध कराया गया।राशन कार्ड मिलने से अब श्रीमती आशा यदु एवं उनके परिवार को शासन की खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ नियमित रूप से प्राप्त हो सकेगा। इससे परिवार को आवश्यक खाद्यान्न सुलभ होने के साथ आर्थिक राहत भी मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 ÷शासन आपके द्वार÷ की भावना को साकार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। यह अभियान आमजन और प्रशासन के बीच विश्वास को और अधिक मजबूत बना रहा है। श्रीमती आशा यदु ने राशन कार्ड प्राप्त होने पर खुशी व्यक्त करते हुए शासन एवं जिला प्रशासन का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब उनके परिवार को खाद्यान्न की चिंता से राहत मिलेगी और उन्हें योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा।

पुजारी कांकेर में पहली बार प्रशासन का बड़ा कैंप, 18 पंचायतों के ग्रामीण पहुंचे

जहां लगती थी जन-अदालत, वहां पहुंचा सुशासन का महाशिविर

बीजापुर/मूक पत्रिका

माओवाद प्रभावित और सुदूर ग्राम पंचायत पुजारी कांकेर में गुरुवार को पहली बार प्रशासन का बड़ा जनसमस्या निवारण शिविर लगा। कभी जनताना सरकार की जन-अदालत के लिए पहचाने जाने वाले इस इलाके में अब शासन की योजनाएं और अधिकारी पहुंचे तो ग्रामीणों में उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के ÷सुशासन तिहार-2026÷ के तहत आयोजित इस शिविर में दूर-दराज गांवों से लोग शामिल हुए।शिविर में पहली बार सभी विभागों का अमला एक साथ गांव पहुंचा। ग्रामीण पूरे समय शिविर में मौजूद रहे और स्थानीय भाषा में योजनाओं की जानकारी लेकर आवेदन भी किए। पुजारी कांकेर के साथ मारुड़बाका, नेलाकांकेर, संकनपल्ली, तिम्मापुर, ईलमिड़ी, सेमलडोडी, लंकापल्ली, एंगपल्ली, गलगम, उसूर, आवापल्ली, चिंताकोंटा, मुरदंडा, चेरकडोडी, नुकनपाल, पुसगुड़ी और मुरकीनार पंचायतों के लोग पहुंचे।शिविर में मिले आवेदनों में से 29 मामलों का मौके पर निराकरण किया गया, जबकि बाकी पर कार्रवाई जारी है। क्रेडा, जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वन, मत्स्य, राजस्व और पंचायत विभाग समेत कई विभागों ने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी। पात्र हितग्राहियों को बैशाखी, वॉकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र, मत्स्य जाल, आईस बॉक्स और मृदा परीक्षण प्रमाण पत्र बांटे गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और नवजात बच्चों का अन्नप्राशन कराया। स्वास्थ्य विभाग ने निःशुल्क जांच और दवा वितरण किया।जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने कहा कि पहले जिन इलाकों में माओवाद के डर से साप्ताहिक बाजार तक बंद हो जाते थे, वहां अब प्रशासन सीधे पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है।एसडीएम उसूर भूपेन्द्र गावरे और जनपद पंचायत उसूर के सीईओ प्रभाकर चंद्राकर के समन्वय में शिविर का आयोजन किया गया।

18 पंचायतों के ग्रामीण हुए शामिल

29 आवेदनों का मौके पर समाधान

स्वास्थ्य जांच, दवा वितरण और योजनाओं की जानकारी

हितग्राहियों को सहायक सामग्री वितरित

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।